

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...



वर्ष - 10 अंक 21, 07 सितम्बर से 13 सितम्बर, 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

चीन में चल रहा अजीबो गरीब ट्रेंड? बच्चों के साथ बड़े भी इस्तेमाल करने लगे हैं चूसनी

8

मोर्निंग सिटी

MORNING CITY

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म



देश के कई राज्यों में मौसम की मार: पहाड़ से मैदान तक... हर तरफ तबाही, अब तक 500+ मौतें

नई दिल्ली

खराब मौसम, बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं के कारण देश के कई राज्य प्रभावित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में अब तक 123 लोगों की जान जा चुकी है। हरियाणा में 24 से अधिक मौतों के अलावा कई एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। पहाड़ी राज्य हिमाचल में बीते ढाई माह में 360 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सरकारी आंकड़े के मुताबिक 3900 करोड़+ का नुकसान हुआ है।

उत्तराखंड में भी हर तरफ तबाही का मंजर है। राज्य सरकार ने नुकसान के मुआवजे के तौर पर केंद्र सरकार से 5700 करोड़ का राहत पैकेज मांगा है। पंजाब की नदियों में उफान के बाद 1500 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। उत्तराखंड महीने भर से आपदाओं से जूझ रहा है। ग्लेशियर टूटकर गिर रहे हैं।



अचानक बादल फट रहे हैं। नदियां पूरे वेग से उफान पर हैं। लगातार बन रही अस्थायी झीलें ने बड़ी आबादी, सरकार और वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। नए भूस्खलन क्षेत्र बनने से जंगल-जगह पहाड़ दरक रहे हैं। जमीन और मकानों में गहरी दरारें पड़ गई हैं। इस वर्ष राज्य

को 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद सबसे बड़ी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। राज्य की आर्थिकी चारधाम यात्रा से भी जुड़ी है, मगर सीजन में 55 दिन यात्रा नहीं हो सकी। राज्य सरकार ने हालात से उबरने के लिए केंद्र से 5,702 करोड़ की विशेष सहायता मांगी है। राज्य के 13

हिमाचल में ढाई माह में 360 की मौत

देश का एक और पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश ढाई महीनों से प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। बादल फटने, भारी बारिश, बाढ़ व भूस्खलन के कारण जून माह के आखिरी सप्ताह से लेकर अब तक 360 लोगों की मौत हो चुकी है। 47 लोग लापता हैं। इस मानसून सत्र में सैकड़ों घर जमींदोज हो गए। 5,162 घर क्षतिग्रस्त हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 3,979 करोड़ का नुकसान हो चुका है। प्रदेश के सभी जिले आपदा का दंश झेल रहे हैं, लेकिन कुल्लू, मंडी, चंबा, शिमला व कांगड़ा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ढाई माह के दौरान ही प्रदेश में 50 से ज्यादा स्थानों पर बाढ़ फूट है, जबकि बाढ़ की 96 और भारी भूस्खलन की 133 घटनाएं हो चुकी हैं। आपदा की चपेट में आए पंजाब में नदियों के उफान से तबाही का मंजर है। इतिहास की सबसे बड़ी बाढ़ त्रासदी ने सबको झकझोर कर रख दिया है। अब तक 46 लोगों की जानें जा चुकी हैं। 1.74 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद हो चुकी है। सभी 23 जिलों के करीब 1500 गांव और 3.87 लाख से अधिक आबादी बाढ़ की चपेट में है। लोगों के आशियाने, सामान और पशुधन बाढ़ में बह चुके हैं। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की सरहद पर बसे राज्य हरियाणा के 12 जिले बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। 27 साल बाद सामान्य से 48% ज्यादा बारिश से चारों प्रमुख नदियां यमुना, गंडक, टांगरी और घग्घर खरबे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं। अंबाला, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, रोहतक, पलवल, सिरसा व दादरी के हजारों घर पानी में डूबे हैं। अब तक 24 से अधिक मौतें हो चुकी हैं।

जिलों में से दस किसी न किसी रूप में आपदा की चपेट में हैं। एक अप्रैल से 31 अगस्त तक 79 लोग जान गंवा चुके हैं।



मथुरा

मथुरा में बाढ़ से हालात बेकाबू हो गए हैं। यमुना का पानी लगातार सीमाएं लांघ रहा है। बाढ़ प्रभावित परिवारों का दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल है। प्रशासन ने राखवार और सोमवार तक यमुना जलस्तर को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। ऐसे में लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

मथुरा में बाढ़ से हालात विकराल होते जा रहे हैं। शुक्रवार रात को यमुना के सभी घाट दरिया बन गए। यहां तक कि रोड तक पानी आ गया। सदर बाजार की कुछ कॉलोनिनों में भी पानी घुस गया। मथुरा वृंदावन की दर्जनों कॉलोनिनों व जिले के करीब 36 गांव टापू बन गए हैं। कुछ गांव के ग्रामीणों को स्टीमर से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही तो कई गांव खाली कराए हैं। पानी का बहाव इतना तेज है कि चंद मिनटों में कई किमी रफ्तार तय कर रहा है।

प्रशासन ने सोमवार तक यमुना जलस्तर को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। हाल ये है कि बीते 24 घंटे में जयसिंहपुरा की कई और कॉलोनिनों जलमग्न हो गईं। बंगाली घाट, विश्राम घाट और प्रयाग घाट डूब गया। सदर बाजार क्षेत्र की कॉलोनिनों तक यमुना का पानी पहुंच गया। डूधर, ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी क्षेत्र समेत खेत-खलियान सब लबाबल बरहे हैं। हालात इतने विकराल हो गए हैं कि यमुना से सटे क्षेत्रों में दूर-दूर तक पानी ही पानी नजर आ रहा है।

नीहझील क्षेत्र में सबसे अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इसमें करीब 10 गांव ऐसे कॉलोनिनों में भी पानी घुस गया। मथुरा वृंदावन की दर्जनों कॉलोनिनों व जिले के करीब 36 गांव टापू बन गए हैं। कुछ गांव के ग्रामीणों को स्टीमर से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही तो कई गांव खाली कराए हैं। पानी का बहाव इतना तेज है कि चंद मिनटों में कई किमी रफ्तार तय कर रहा है।

जलमग्न फसल देख किसान को आया हार्ट अटैक, मौत

शाना मगोरों के गांव रामपट्टी में खेत पर गए किसान को फसल देख कर हार्ट अटैक आ गया। परिजन उपचार के लिए ले गए, लेकिन रास्ते में ही किसान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गांव रामपट्टी निवासी किसान राजेंद्र सिंह (70) शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे खेत पर फसल देखने के लिए गए थे। खेत पर पहुंचे तो देखा कि 2 बीघा कपास और एक बीघा बाजरा की फसल जलमग्न हो गई है। यह देख किसान को हार्ट अटैक आ गया। सूचना मिलते ही पुत्र राजकुमार सहित अन्य परिजन पहुंचे और उपचार के लिए ले गए, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बलदेव में खड़े घाट पर यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। घाट किनारे बने शिव मंदिर तक पानी पहुंच गया है और श्मशान घाट पूरी तरह से डूब गया है।

गुजरात के पावागढ़ शक्तिपीठ में गुड्स रोपवे टूटा, 6 की मौत

अहमदाबाद

गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को गुड्स (सामान ले जाने वाले) रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

जानकारी के मुताबिक, रोपवे का तार टूटने की वजह से ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। पावागढ़ में महाकाली मंदिर के लिए अस्पताल भेजा गया है। गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को सामान ले जाने वाले रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा रोपवे का



तार टूटने की वजह से हुआ और ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। पावागढ़ में महाकाली मंदिर तक जाने के लिए दो अलग-अलग रोपवे बने हैं। एक रोपवे श्रद्धालुओं लाने-ले जाने के लिए है, जबकि दूसरा रोपवे केवल सामान और निर्माण सामग्री ढोने के लिए तैयार किया गया है।

पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति से की बात, द्विपक्षीय सहयोग से यूक्रेन जंग तक कई मुद्दों पर मंथन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से बातचीत की है। दोनों नेताओं ने वार्ता में भरोसेमंद और बहुआयामी साझेदारी की और गहरा करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने रक्षा, तकनीक, ऊर्जा, शिक्षा, अंतरिक्ष और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान उनके बीच विशेष तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की। दोनों ने युद्ध खत्म कर शांति स्थापित करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा



और सकारात्मक मूल्यांकन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। बता दें कि पीएम मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के बीच बीते महीने की 21 तारीख को भी फोन पर बात हुई थी। तब दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन और पश्चिम एशिया क्षेत्र में

संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चल रहे प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया था। साथ ही राष्ट्रपति मैक्रों ने वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हाल ही में हुई बैठकों के बारे में भी विचार साझा किए थे। इस दौरान दोनों के बीच व्यापार, रक्षा, असाध्य परमाणु सहयोग, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा के क्षेत्रों समेत द्विपक्षीय सहयोग के एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की गई थी। उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और 2026 को उचित तरीके से 'नवोचार वर्ष' के रूप में चिह्नित करने की संयुक्त प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की थी।

बता दें कि भारत और फ्रांस दोनों ही बहुद्विपक्षीय विश्व व्यवस्था के समर्थक हैं, और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संवाद और कूटनीति के माध्यम से समस्याओं के समाधान की वकालत करते हैं।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात, एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के बाद पहुंचे राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में एससीओ की मुलाकात की।

यह मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में जापान और चीन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। पीएम मोदी ने 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तैआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 25वीं बैठक में हिस्सा लिया था। इस शिखर सम्मेलन में एससीओ की विकास रणनीति, वैश्विक



शासन सुधार, आतंकवाद-निरोध, शांति और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय सहयोग तथा सतत विकास जैसे अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा

हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर

सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले को उठाया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि एससीओ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों को स्पष्ट रूप से और सर्वसम्मति से खारिज करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह भेंट उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई है। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को होने हैं। इस चुनाव में एनडीए और विपक्ष, दोनों ने अपने-अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। एनडीए ने महाराष्ट्र के मौजूदा राज्यपाल और तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने सुप्रिम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना प्रत्याशी बनाया है।

लखनऊ

आवारा कुत्तों के लिए अब हर वार्ड और मोहल्लों में एक निश्चित स्थान पर खाना रखने का इंतजाम होगा। इसके साथ ही उनके लिए पर्याप्त फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। इनको बच्चों के खेल स्थलों, प्रवेश और निवासी द्वार या अधिक आवाजाही वाले स्थानों से दूर रखा जाएगा। वहीं नियमों का पालन कर रहे पशुप्रेमियों को धमकाना या उनके साथ दुर्व्यवहार करना अपराध माना जाएगा।

प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने शहरी क्षेत्रों में लगातार आवारा कुत्तों के काटने के घटनाओं और मानव-पशु संघर्ष की समस्या को देखते हुए नया दिशा-निर्देश जारी किया है। आवारा कुत्तों को भोजन कराने वालों की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्हें केवल निर्धारित स्थानों पर ही भोजन देना होगा और स्वच्छता का ध्यान रखते हुए बचे हुए



भोजन का उचित निस्तारण करना होगा। आवारासय सोसायटियों को नियमों का पालन अनिवार्य होगा। पशुप्रेमियों को कुत्तों की नसबंदी और रैबीज टीकाकरण कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

फीडिंग से संबंधित विवाद की स्थिति में एक समिति गठित की जाएगी। इसमें मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पुलिस अधिकारी, आवारासय सोसायटियों के सदस्य, आवेदक और अन्य लोग शामिल होंगे। समिति का निर्णय अंतिम होगा।

हर तीसरे महीने होगी बस चालकों की फिटनेस जांच, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सृजित होंगे तीन लाख रोजगार: सीएम योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बस चालकों की हर तीसरे माह फिटनेस जांच अनिवार्य होना चाहिए। विशेष रूप से आंखों की जांच जरूरी है ताकि दृष्टि दोष के कारण दुर्घटनाएं न हों। वह शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करें। क्योंकि हर साल सड़क हादसों में कोरोना से ज्यादा मौत होती है। इनमें अधिकतर युवा होते हैं, जिससे परिवार उजड़ जाते हैं। सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा परिवहन विभाग की ज़िम्मेदारी है। यदि किसी यात्री की जान बचती है तो यह विभाग की सकारात्मक



छाँव बनाता है, लेकिन लापरवाही से जान जाने पर न केवल विभाग की बदनामी होती है, बल्कि आर्थिक क्षति भी होती है। इसके लिए आईआईटी खड़गपुर जैसी संस्थाओं की तकनीकी मदद, पुलिस और अन्य विभागों का समन्वय, साथ ही स्कूलों में ट्रेफिक नियमों पर शिक्षा जरूरी है। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट, नशे में ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग जैसी स्थितियों में फिट नियम लागू करने और लोगों को

जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विकसित एक ऐप के जरिए अत्यधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों की पहचान की गई, जिससे कई स्थानों पर हादसों की संख्या घटकर महीने में 18 से घटकर 3 तक हो गई। पर्यावरण प्रदूषण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कहा कि परिवहन और नगर विकास विभाग गांव-गांव

परिवहन विभाग ने किया सयहनीय कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परिवहन विभाग विकसित भारत की परिकल्पना का सारथी बनेगा। निगम के पास देश में सबसे बड़ा बेड़ा है। कोरोना काल में परिवहन विभाग ने उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, झारखंड और उत्तराखंड तक प्रवासियों को सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करते हुए गंतव्य तक पहुंचाया। रक्षाबंधन पर तीन दिनों तक बहनों की मुफ्त बस यात्रा उपलब्ध कराई है। ये प्रयास सराहनीय है।

कनोक्टिविटी और बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के जरिए न सिर्फ प्रदूषण कम कर सकते हैं, बल्कि 3 लाख तक नए रोजगार भी सृजित कर सकते हैं।

प्रयागराज

संगमनगरी में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पांचवीं बार संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी को स्नान कराने के बाद बाढ़ की स्थिति भयावह होती जा रही है। कछारी इलाकों में रहने वालों को एक बार फिर बाढ़ की चिंता सताने लगी है। गंगा और यमुना के जलस्तर में तेज बढ़ोतरी शुरू हो गई है। आगे भी आसार अच्छे नहीं दिख रहे हैं। ज्यादातर सहायक नदियां भी खरबे के निशान के ऊपर बह रही हैं। इसके अलावा पहाड़ों और मध्य प्रदेश में तेज बारिश जारी है। इसकी वजह से आने वाले दो-तीन दिनों तक गंगा और यमुना के जलस्तर में तेज वृद्धि के आसार हैं।

शुक्रवार शाम से गंगा और यमुना का जलस्तर में वृद्धि तेज हो गई। यमुना में प्रतिघंटे चार सेंटी से भी अधिक की रफ्तार



से पानी बढ़ने लगा। इसका नतीजा रहा कि शनिवार दोपहर 12 बजे नैनी में यमुना का जलस्तर 82.20 मीटर पहुंच गया। सिंचाई विभाग की दोपहर 12 बजे की रिपोर्ट के अनुसार यमुना का जलस्तर चार सेंटी प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था। यही स्थिति गंगा की रही। शुक्रवार देर रात गंगा

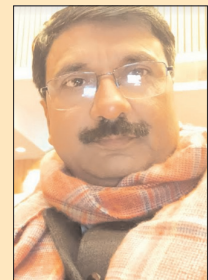
के जलस्तर में भी बढ़ोतरी शुरू हो गई। इसका नतीजा रहा कि शनिवार दोपहर गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 82.24 मीटर दर्ज किया गया। सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यमुना का जलस्तर चार सेंटी प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था। यही स्थिति गंगा की रही। शुक्रवार देर रात गंगा

सम्पादकीय

विरोध कहां तक



देश ने आरक्षण की एक और लड़ाई देखी, इस बार मुंबई में। मराठा आरक्षण को लेकर पांच दिनों तक भारत की आर्थिक राजधानी में हंगामा मचा रहा। प्रदर्शनोंकी आखिरकार माने, लेकिन अपनी कई मांगें मनवा कर। प्रदर्शन खत्म हो चुका है, पर इससे जुड़े कुछ सवाल अब भी बाकी हैं - अपनी मांग को लेकर कोई आंदोलन किस हद तक जा सकता है और क्या विरोध-प्रदर्शन का अधिकार छीना जा सकता है?



शुशील कुमार सिंह प्रधान समादक

कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल से जवाब मांगा है कि आंदोलन के दौरान सरकारी संपत्ति को जो बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा, उसका जिम्मेदार कौन है? जरांगे की तरफ से बताया गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण था, किसी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि यह माना गया कि आम जनता को असुविधा हुई। गौरतलब है कि यह आंदोलन खुद भी तभी हुआ, जब हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई - भले इसके लिए सरकार ने जरांगे की मांगें मानीं। आम लोगों को हुई असुविधा पर हाई कोर्ट की नाराजगी बिल्कुल सही है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी शहर की रप्तार को रोक देना उचित नहीं माना जा सकता। दुर्भाग्य से दक्षिण मुंबई को जबदस्त परेशानी झेलनी पड़ी - कई लोकल ट्रेन कैसल हुई और कभी न थमने वाली मुंबई का कुछ हिस्सा आरक्षण आंदोलन में जकड़ गया। लेकिन यहां जितनी जिम्मेदारी आंदोलनकारियों, उनके नेता जरांगे की है, उतनी ही एडमिनिस्ट्रेशन की भी। मुंबई में भीड़ का उमड़ना कोई नई बात नहीं है। गणेश पूजनोत्सव के दौरान ही देश के तमाम हिस्सों से लोग गणपति बप्पा के दर्शन को मुंबई पहुंचते हैं। तो क्या आंदोलन की जानकारी होने के बाद हालात को संभालने के लिए उचित इंतजाम किए गए थे? अगर परमिशन पांच हजार की थी, तो इससे कई गुना ज्यादा भीड़ कैसे महानगर में दाखिल हो गई? विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। सरकार से असहमति जताना और जिम्मेदारों तक अपनी बात पहुंचाना हर नागरिक का हक है। अगर किसी समुदाय-वर्ग को लगता है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है, तो उसे विरोध जताने से नहीं रोकना जा सकता। लेकिन, मामला है हद का - कि उस विरोध की सीमा क्या होगी? जिस तरह विरोध का अधिकार नहीं छीना जा सकता, उसी तरह यह भी नहीं हो सकता कि एक का प्रदर्शन दूसरे के लिए आफत बन जाए। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जरूरत है कि इस सवाल को भी सुलझा लिया जाए, वरना फिर कोई शहर किसी आंदोलन के बोझ से दबा होगा।

मोदी के आगे ट्रंप का ये हाल देखकर विकासशील देशों के नेताओं में नया जोश और आत्मविश्वास आ गया है

गीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तस्वीर साझा कर यह टिप्पणी की है कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया। यह बयान अमेरिकी दृष्टिकोण की उस बेचैनी को दर्शाता है, जिसे भारत की स्वतंत्र विदेशी नीति और उसकी वैश्विक संतुलनकारी भूमिका बार-बार उजागर करती रही है। साथ ही ट्रंप का यह बयान इस बात का प्रतीक है कि वैश्विक राजनीति में मित्रता और साझेदारी स्थायी नहीं होती, बल्कि वे केवल आपसी हितों और संतुलन पर आधारित होती हैं।

दरअसल, ट्रंप ने भारत को अत्यधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में रखा, 50% शुल्क थोपे और "फेज-2 व फेज-3" की धमकियां दीं। यही नहीं, रूस से तेल खरीद को लेकर भी भारत को निशाना बनाया। उस समय उन्होंने अपने व्यवहार और नीतियों से ही भारत को दूरी बनाने पर मजबूर किया था। आज जब भारत स्वतंत्र रूप से अपने हित साध रहा है और अमेरिका से भी सुलझित रिश्ते रखे हुए हैं, तो ट्रंप को इस "खोने" का गम सता रहा है। इसी बीच पीटर नेवोरो के भ्रामक बयानों को भारत के विदेश मंत्रालय ने सीधे खारिज कर दिया है। प्रवक्ता रमधौर जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि भारत-अमेरिका संबंध "अत्यंत महत्वपूर्ण और सामरिक साझेदारी के स्तरों पर आधारित हैं" और यह रिश्ते कई उतार-चढ़ाव झेल चुके हैं, लेकिन आगे बढ़ने की क्षमता उनमें बनी हुई है। यह संकेत है कि भारत, अमेरिकी घेरलू राजनीति की बयानबाजी से प्रभावित हुए बिना, रिश्तों को दीर्घकालिक और रणनीतिक नजरिए से देख रहा है। साथ ही, आलासका में चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास और 2+2 बैठक का उल्लेख कर भारत ने यह संदेश दिया कि साझेदारी की वास्तविकता शोर-शराबे से कहीं दूरी है। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्वांडो को साझा हितों के लिए एक मूल्यवान मंच बताया। यह चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि वह समान विचारधारा वाले देशों के साथ



मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की टिप्पणीझ "शांति स्थापना और संघर्ष के शीघ्र अंत की आवश्यकता", दर्शाती है कि नई दिल्ली अब भी "रणनीतिक स्वायत्तता" की नीति पर अडिग है। देखा जाये तो ट्रंप की झुंझलाहट भारत की उस विदेश नीति का परिणाम है जिसमें वह न तो किसी दबाव में झुकता है और न ही किसी धुरी का अंधानुकरण करता है। अमेरिका की घेरलू राजनीति के माहौल में ट्रंप के ऐसे बयानों का राजनीतिक महत्व हो सकता है, लेकिन भारत का संदेश साफ है- वह अपने हितों, साझेदारियों और संतुलनकारी भूमिका को ही सर्वोपरि रखेगा।

इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक जीवन का एक बड़ा विरोधाभास यही रहा है कि वह अक्सर अपने ही सहयोगियों और विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार करते हुए हठहीले अंदाज में फैसले लेते रहे हैं। भारत के संदर्भ में भी यही हुआ है। ट्रंप प्रशासन के भीतर से उन्हें चेतावनी गयी था कि भारत विरोधी बयानबाजी और पाकिस्तान-परस्ती की छवि अमेरिका के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती है। कई अमेरिकी विशेषज्ञों ने भी स्पष्ट कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हल्के में लेना एक बड़ी भूल होगी। लेकिन ट्रंप अपनी मनमानी पर अड़े रहे, कभी अनुचित टैरिफ थोपे, कभी रूस से संबंध खत्म करने के लिए भारत पर दबाव बनाया और कभी पाकिस्तान के साथ भारत की तुलना करके भ्रम फैलाया। यहीं पर प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व उभर कर सामने आया। मोदी ने बिना किसी हिचकिचाहट के ट्रंप के हर दबाव का सामना किया और यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। चाहे रूस से तेल खरीद का मामला हो या टैरिफ विवाद, भारत ने अमेरिका को बता दिया कि

वह अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा। यह रुख केवल ट्रंप ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक सबक था कि नई दिल्ली अब किसी की "जुनियर पार्टनर" नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति का आत्मनिर्भर और दृढ़ खिलाड़ी है। मोदी का यह साहसिक रवैया इसलिए और उल्लेखनीय है क्योंकि विश्व राजनीति में अक्सर छोटे-बड़े देश अमेरिकी दबाव में झुक जाते हैं। लेकिन भारत ने अपने आकार, सामर्थ्य और रणनीतिक महत्त्व के अनुरूप ही जायज दिया। इसने ट्रंप को यह एहसास कराया कि भारतीय नेतृत्व को हल्के में लेना बड़ी राजनीतिक भूल है। मोदी ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब दबाव से नहीं, बल्कि अपने विवेक और राष्ट्रीय हित के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि आज ट्रंप पछतावे की भाषा बोल रहे हैं, जबकि मोदी की छवि एक मजबूत, निर्णायक और वैश्विक नेता के रूप में और प्रखर हुई है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रायः यह देखा गया है कि विकासशील देश बड़ी शक्तियों के दबाव के आगे झुक जाते हैं। अमेरिका, यूरोप या चीन जैसे प्रभावशाली देशों के सामने उनके निर्णय अक्सर अस्थिर हो जाते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप जैसे दबावपूर्ण नेता के दौरे में जो साहस और स्पष्टता दिखाई, उसने भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ को नया आत्मविश्वास दिया है। जब ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल आयात रोकने और टैरिफ संबंधी धमकियों के जरिए भारत पर दबाव डालने की कोशिश की, तब मोदी ने बिना हिचक भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों को सर्वोपरि रखा। यह स्पष्ट संदेश था कि भारत किसी के दबाव में आकर अपने राष्ट्रीय हितों का सौदा नहीं करेगा। यही कदम विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बना। देखा जाये तो मोदी का दबाव-प्रतिरोध केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि विकासशील देशों के लिए मनोवैज्ञानिक चेतना भी है। अब एशिया से लेकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका तक कई राष्ट्र यह विश्वास करने लगे हैं कि वह भी बड़ी ताकतों के सामने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकते हैं। मोदी की छवि आज इस आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है। इसीलिए तमाम विकासशील देशों में मोदी की नेतृत्व क्षमता और उनसे प्रेरणा लेने की बातें होने लगी हैं।



पता चल जाएगा कि वह दौड़कर, हमला कर काट सकता है। जो पर्यटक सावधान रहना चाहें, कोशिश कर सकते हैं और जो कटवाने का मजा लेना चाहते हैं कटवा सकते हैं। कटवाने से यह गलौज़ अनुभव जख़र रहेगा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध स्मार्ट शहर में, दौड़कर हमलाकर काटने वाले कुत्ते ने काटा। आम कुत्ते और

विचार

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते रहे हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों की भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र का इस्तेमाल ओचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुंच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हद्द लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले कर-के, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कहे कर राजनीतिक मयार्दों का हनन



किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मयार्दा का स्वयं उपर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नहीं कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएं और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीथस्थ रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदौर गांधी को केवल गुंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी है, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सोदगार जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानों के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खड्गे और प्रियंका का। इन नेताओं ने बेहद हृदयक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेंद्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया

है। बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मयार्दा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेग? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेँगे। उनके देश धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है। केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास को कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारे का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए सधने की ईंई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरिगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

जातक-कथा

बंदर का हृदय

किसी नदी के तट पर एक वन था। उस वन में एक बंदर निवास करता था, जो वन के फल आदि खा कर अपना निर्वाह करता था। नदी में एक टापू भी था और टापू और तट के बीच में एक बड़ी सी घुड़ना भी थी। जब कभी बंदर को टापू के फल खाने की इच्छा होती वह उस घुड़ना पर उस टापू पर पहुँच जाता और जी भर अपने मनवाहे फलों का आनंद उठाता। उसी नदी में घड़ियालों का एक जोड़ी भी रहती थी। जब भी वह उस षट्ट-पुष्ट बंदर को मीट-रसीले फलों का आनंद उठाते देखती तो उसके मन में उस बंदर के हृदय को खाने की तीव्र इच्छा उठती। एक दिन उसने नर घड़ियाल से कहा, प्रिय ! अगर तूमु मुझसे प्रेम करते हो तो मुझे उसका हृदय खिला कर दिखा दो, नर घड़ियाल ने उसकी बात मान ली। दूसरे दिन बंदर जैसे ही टापू पर पहुँचा नर-घड़ियाल टापू और तट के बीच के घुड़ने के निचले हिस्से पर चिपक गया। वह बंदर एक बुद्धिमान प्राणी था । शाम के समय जब वह लौटने लगा और तट और टापू के बीच के घुड़ना को देखा तो उसे घुड़ना की आकृति में कुछ परिवर्तन दिखाई पड़ा । उसने तत्काल समझ लिया कि जरूर कुछ गड़बड़ी है । तथ्य का पता लगाने के लिए उसने घुड़ना को नमस्कारकरते हुए कहा, हे घुड़ना मित्र ! आज तूमु शांत कैसे हो ? मेरा अभिवादन भी स्वीकार नहीं कर रही हो ? घड़ियाल ने समझा, शायद घुड़ना और बंदर हमेशा बात करते रहते हैं इसलिए उसने स्वर बदल कर बंदर के नमस्कार का प्रत्युत्तर दे डाला । बंदर की आशंका सत्य निकली । बंदर टापू में ही रुक तो सकता था मगर टापू में उसके निर्वाह के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं था। जीविका के लिए उसका वापिस वन लौटना अनिवार्य था। अतः अपनी पेशानी का निदान दुढ़ीं हो उसने घड़ियाल से कहा, मित्र! घुड़ना तो कभी बातें नहीं करती ! तूमु कौन हो और क्या चाहते हो ? दम्भी घड़ियाल ने तब उसके सामने प्रष्ट हो कहा, ओ बंदर ! मैं एक घड़ियाल हूँ और तुम्हारा हृदय अपनी पत्नी को खिलाना चाहता हूँ । तभी बंदर को एक युक्ति सूझी । उसने कहा, हे घड़ियाल ! वस इतनी सी बात है तो तूमु तत्काल अपनी मुख खोल दो, मैं सर्वश्रे ही अपने नखर शरीर को तुम्हें अर्पित करता हूँ बंदर ने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानता था कि जब घड़ियाल मुख खोलते हैं, तो उनकी आँखें बंद हो जाती हैं। फिर जैसे ही घड़ियाल ने अपना मुख खोला, बंदर ने तेजी से एक छलाउ उसके रिस पर अपनी और दूसरी छलांग में नदी के तट पर जा पहुँचा। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ और बुद्धिमानि से बंदर ने अपने प्राण बचा लिए ।

दुष्ट सर्प और कौवे

एक जंगल में एक बहुत पुराना बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर घोंसला बनाकर एक कौआ-कव्वी का जोड़ा रहता था। उसी पेड़ के खोखले तने में कहीं से आकर एक दुष्ट सर्प रहने लगा। हर वर्ष मौसम आने पर कव्वी घोंसले में अंडे देती और दुष्ट सर्प मौका पाकर उनके घोंसले में जाकर अंडे खा जाता। एक बार जब कौआ व कव्वी जल्दी भोजन पाकर शीघ्र ही लौट आए तो उन्होंने उस दुष्ट सर्प को अपने घोंसले में रखे अंडों पर झपटते देखा। अंडे खाकर सर्प चला गया कौए ने कव्वी को डाडस बंधाया 'प्रिये, हिम्मत रखो। अब हमें शत्रु का पता चल गया है।' कुछ उपाय भी सोच लेंगे।' कौए ने काफी सोचा विचारा और पहले वाले घोंसले को छोड़ उससे काफी ऊपर टहनी पर घोंसला बनाया और कव्वी से कहा 'यहां हमारे अंडे सुरक्षित रहेंगे। हमारा घोंसला पेड़ की चोटों के किनारे निकट है' और ऊपर आसमान में चील मंडराती रहती हैं। चील सांप की बैरी हैं। दुष्ट सर्प यहां तक आने का साहस नहीं कर पाएगा।' कौवे की बात मानकर कव्वी ने नए घोंसले में अंडे दिए जिससे अंडे सुरक्षित रहे और उनमें से बच्चे भी निकल आए। उधर सर्प उनका घोंसला खाली देखकर यह समझा कि उसके डर से कौआ कव्वी शायद वहां से चले गए हैं पर दुष्ट सर्प दृढ़ होता रहता था। उसने देखा कि कौआ-कव्वी उसी पेड़ से उड़ते हैं और लौटते भी वहीं हैं। उसे यह समझते देर नहीं लगी कि उन्होंने नया घोंसला उसी पेड़ पर ऊपर बना रखा हैं। एक दिन सर्प खोह से निकला और उसने कौओं का नया घोंसला खोज लिया। घोंसले में कौआ दंपती के तीन नवजात प्रिशु थे। दुष्ट सर्प उन्हें एक-एक करके घषाघप निगल गया और अपने खोह में लौटकर डकारें लेने लगा। कौआ व कव्वी लौटे तो घोंसला खाली पाकर सन्न रह गए। घोंसले में हुई टाट-फूट व नन्हें कौओं के कोमल पंख बिखरे देखकर वह सारा माजरा समझ गए। कव्वी की छाती तो दुख से फटने लगी। कव्वी बिलख उठी 'तो क्या हर वर्ष मेरे बच्चे सांप का भोजन बनते रहेंगे?' कौआ बोला 'नहीं! यह माना कि हमारे सामने विकट समस्या है पर यहां से भागना ही उसका हल नहीं हैं। विपत्ति के समय ही मित्र काम आते हैं। हमें लोमड़ी मित्र से सलाह लेनी चाहिए।' दोनों तुरंत ही लोमड़ी के पास गए। लोमड़ी ने अपने मित्रों की दुष्टता पर अपनी कहानी सुनी। उसने कौआ तथा कव्वी के आंसू पोंछे। लोमड़ी ने काफी सोचने के बाद कहा 'मित्र ! तुम्हें वह पेड़ छोड़कर जाने की जरूरत नहीं हैं। मेरे दिमाग में एक तरीका है, जिससे उस दुष्टसर्प से छुटकारा पाया जा सकता है।' लोमड़ी ने अपने चणू दिमाग में आई तरीका बताई। लोमड़ी की तरकीब सुनकर कौआ-कव्वी खुशी से उछल पड़े। उन्होंने लोमड़ी को धन्यवाद दिया और अपने घर लौट आए। अगले ही दिन योजना अमल में लानी थी। उसी वन में बहुत बड़ा सरोवर था। उसमें कलम और नरगिस के फूल खिले रहते थे। हर मौलवार को उस प्रेश्र की राजकुमारी अपनी सहैलियों के साथ वहां जल-क्रीड़ा करने आती थी। उनके साथ अंगरक्षक तथा सैनिक भी आते थे। इस बार राजकुमारी आई और सरोवर में स्नान करने जल में उतरी तो योजना के अनुसार कौआ उड़ता हुआ वहां आया। उसने सरोवर तट पर राजकुमारी तथा उसकी सहैलियों द्वारा उताकर रखे गए कपड़ों व आभूषणों पर नजर डाली। कपड़े के ऊपर राजकुमारी का प्रिय हरीर व मोतियों का विलक्षण हार रखा था कौव्वी ने राजकुमारी तथा सहैलियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कांव-कावा का शोर मचाया। जब सबकी नजर उसकी ओर घूमि तो कौआ राजकुमारी का हार चोंच में दबाकर ऊपर उड़ गया। सभी सहैलियां चीखी 'देखो, देखो ! वह राजकुमारी का हार उठाकर ले जा रहा हैं।' सैनिकों ने ऊपर देखा तो ससमुच एक कौआ हार लेकर धीरे-धीरे उड़ता जा रहा था। सैनिक उसी दिशा में दौड़ने लगे। कौआ सैनिकों को अपने पीछे लगाकर धीरे-धीरे उड़ता हुआ उसी पेड़ की ओर ले आया। जब सैनिक कुछ ही दूर रह गए तो कौआ ने राजकुमारी का हार इस प्रकार गिराया कि वह सांप वाले गणना के भीतर जा गिरा। सैनिक दौड़कर खोह के पास पहुंचे। उनके सरदार ने खोह के भीतर झांका। उसने वहां हार और उसके पास में ही एक काले सर्प को कुटली मारे देखा। वह चिल्लाया 'पीछे हटो ! अंदर नाग है।' सरदार ने खोह के भीतर भाला मारा। सर्प घायल हुआ और फुफकारता हुआ बाहर निकला। जैसे ही वह बाहर आया, सैनिकों ने भालों से उसके टुकड़े-टुकड़े कर डाले।

कूड़ा डालने के विवाद में खूनी संघर्ष

खूनी संघर्ष में गोली लगने से युवक की मौत, दो गंभीर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव जगरूपुर में शनिवार सुबह कूड़ा डालने के विवाद में सरकारी शिक्षक की फायरिंग से 35 वर्षीय योगेंद्र सिंह की मौके पर मौत हो गई। फायरिंग में युवक के ताऊ राम सिंह, भतीजा विनय और भतीजी शिखा घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी शिक्षक, उसका कासगंज जनपद में तैनात आरक्षी भाई और पिता मौके से भाग गए। फायरिंग और हत्या से आक्रोशित ग्रामीण और परिजन ने सूचना पर पहुंची पुलिस को तीन घंटे तक शव उठाने नहीं दिया।

बाद में एसपी और भाजपा जिलाध्यक्ष के सख्त कार्रवाई का आश्वासन देने पर परिजन माने। शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। वहीं, गंभीर रूप से घायल विनय को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव जगरूपुर निवासी योगेंद्र के



ग्रामीणों ने तीन घंटे तक नहीं उठने दिया शव

जगरूपुर में युवक की हत्या की जानकारी पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उठाने का प्रयास किया। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस का विरोध किया और शव उठाने से रोक दिया। जानकारी होने के बाद एलाउ, बिछावा, दन्नाहार सहित कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह, सीओ भोगाव ऋषिकांत शुक्ला भी समझाने पहुंचे, मगर परिजन व ग्रामीण नहीं माने। इसके बाद एसपी गणेश प्रसाद साहा, भाजपा जिलाध्यक्ष ममता राजपुत के साथ जगरूपुर पहुंचे। एसपी और भाजपा जिलाध्यक्ष के सख्त कार्रवाई और तहरीर के आधार पर ही केस दर्ज करने के आश्वासन पर परिजन और ग्रामीण शांत हुए। करीब तीन घंटे के प्रयास के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मकान पर शनिवार सुबह पड़ोस में रहने वाले सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी भूदेव सिंह लाठी लेकर आ गए।

आरोप है कि भूदेव ने गाड़ी खड़ी करने वाली जगह पर कूड़ा पड़ा होने पर गाली-गलौज शुरू कर दी। योगेंद्र ने झगड़े को टालते हुए कूड़ा हटाने की बात कहते हुए सफाई कर दी। बावजूद इसके भूदेव और उसके

क्या बोले एसपी मैनपुरी

एसपी मैनपुरी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि परिजन से जानकारी ली गई है, गोली मारने की घटना में कासगंज में तैनात आरक्षी का नाम सामने आ रहा है। परिजन की तहरीर पर दोषियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं।

दोनों बेटे शिक्षक अवनीश सिंह और कासगंज में तैनात आरक्षी अजीत उर्फ जीतू मारपीट पर उतारू हो गए। थोड़ी ही देर में कूड़े के विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। झगड़े से बौखलाया शिक्षक चर से अपनी रिपीटर बंदूक लेकर आ गया और फायरिंग शुरू कर दी। करीब चार से पांच राउंड हुईं फायरिंग में दो गोलियां लगने से योगेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। योगेंद्र को बचाने के दौरान ताऊ राम सिंह, भतीजा विनय और भतीजी शिखा घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। वहीं, गंभीर रूप से घायल विनय को परिजन ने जिला

इन पर दर्ज हुआ मुकदमा

मृतक योगेंद्र की पत्नी प्रीती ने पुलिस को बताया कि कूड़ा डालने के विवाद में पड़ोसी भूदेव सिंह आग बबूला हो गए। सबक सिखाने की बात कह कर पुत्र जीतू, अवनीश और गांव निवासी बाँबी व सागर को साथ लेकर आए। आरोपियों ने लाठी-डंडा और असलहा से हमला कर दिया। अवनीश ने लाइसेंसी असलहा से फायरिंग कर दी। इसमें गोली लगने से पति योगेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। पति को बचाने आया जेट का लड़का विनय गोली लगने से घायल हो गया। झगड़े में भतीजी शिखा और दाऊ ससुर राम सिंह को भी चोट लगी। पुलिस ने सभी आरोपियों पर हत्या, जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

मोबाइल में कैद हुईं गोलियों की तड़तड़ाहट

जगरूपुर गांव में कूड़े के विवाद में हुई हत्या के मामले में मोबाइल फोन और सीसीटीवी फुटेज अहम सबूत बन गए हैं। परिजन और ग्रामीणों के मोबाइल में झगड़े और आरोपी शिक्षक के गोली चलाने की घटना कैद हुई है। पुलिस ने सभी साक्ष्यों को कब्जे में लिया है। वहीं गांव की एक गली में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी लिए हैं। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने जांच के लिए नमूने एकत्र किए। पुलिस जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कह रही है।

रिपीटर से दहशत फैलाता युवक भी कैद

गांव जगरूपुर में शनिवार को सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी भूदेव सिंह और योगेंद्र पक्ष के बीच कूड़ा डालने पर हुए विवाद हुआ था। मोबाइल के कैमरे में कैद हुई घटना में भूदेव हाथ में ईंट और लाठी लिए झगड़ते नजर आ रहे हैं, वहीं शिक्षक पुत्र अवनीश रिपीटर से दहशत फैलाता दिख रहा है। कुछ मोबाइल में गोली चलने की घटना भी कैद हुई है। मृतक के परिजन के बयान को मोबाइल में मौजूद साक्ष्य सही साबित कर रहे हैं।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिए

पुलिस ने मृतक परिजन व ग्रामीणों के मोबाइल से सभी वीडियो व एक गली में लगे सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिए हैं। एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह का कहना है कि ग्रामीणों ने बताया है कि वीडियो में असलहा लिए खड़ा व्यक्ति शिक्षक अवनीश है। एसपी सिटी ने बताया कि वह पहले किशनी क्षेत्र में तैनात रह चुका है। उसकी वर्तमान तैनाती के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। घटना में कासगंज में तैनात आरक्षी अजीत उर्फ जीतू का नाम भी सामने आ रहा है। पुलिस सभी तथ्यों आदि पर गहनता से जांच कर रही है। घटना में जो भी शामिल होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

गांव में दहशत और गुस्सा, पुलिस के छूटे पसीने

गांव जगरूपुर में खेतीबाड़ी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे योगेंद्र सिंह की हत्या की घटना के बाद गांव में गुस्सा और दहशत है। शनिवार को जब बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव पहुंचा तो ग्रामीणों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस को शव के पास नहीं जाने दिया। उनका कहना था कि पहले आरोपियों की गिरफ्तारी करो, उसके बाद शव उठने देंगे। इस दौरान मौके पर पहुंचे अधिकारियों से भी काफी देर तक झड़प हुई। परिजन व ग्रामीणों के आक्रोश देख पुलिस के भी पसीने छूटते दिखे।

अस्पताल पहुंचाया, जहां से मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर किया गया।

छोटी खबरें

धूमधाम से गणेश प्रतिमा का हुआ विसर्जन

बिछावा/मैनपुरी। गणेश चतुर्थी से विधि विधान से पंचमुखी हनुमान मंदिर पर विराजे गणेश जी की प्रतिमा को वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ पुरुष व महिलाओं ने पूजन अर्चना करने के बाद बैठ बाजे की धुन पर नहर में विसर्जित किया। इस अवसर पर पंडित नेत्रपाल मिश्रा, भोले मिश्रा, संतोष मिश्रा, रिषभ, रितिक मिश्रा, विनीत चौहान, बबलू चौहान, शाका चौहान, सर्वेश कश्यप, शंकर चौहान, मुनेश चौहान, सोरभ तिवारी के अलावा महिला एवं पुरुष मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बिछावा/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव औरन्थ निवासी सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की इलाज के बाद मौत हो गई है, मामले की सूचना पुलिस को दी गई है, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव औरन्थ निवासी 40 वर्षीय अमित चौहान पुत्र कृष्ण पाल चौहान को करीब 11 माह पूर्व 15 अक्टूबर 2024 को एक ट्रक चालक में तेजी व लापरवाही से चलते हुए ट्रककर मार दी थी, मामले में प्राथमिक की दर्ज कराई गई। इलाज के लिए युवक को सैफई भर्ती कराया गया जहां से आगरा फिर दिल्ली रेफर कर दिया गया, 15 दिन पूर्व दिमाक का ऑपरेशन हुआ, युवक का दिल्ली में इलाज चल रहा था, इसी दौरान परिजन छुट्टी कर घर पर ले आए। तबीयत बिगड़ गई तो युवक को प्राइवेट अस्पताल ले गए वहां उनकी मौत हो गई। शव को गांव ले आए। मामले की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है।

वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणयक लाडू चढ़ाकर मनाया

उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर मंदिरों में रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शनिवार को शहर के सभी जिनालयों एवम् शांतिनाथ चेल्यालय में दस लक्ष्म महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए। प्रातः से ही जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तों ने नित्य पूजन में बारहवें तीर्थंकर श्री वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणयक लाडू चढ़ाकर अनन्त चतुर्दशी का पर्व धूमधाम से मनाया।

काहल रोड स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन उपवन मंदिर में प्रातः 6.30 बजे श्री जी का अभिषेक करने का सौभाग्य रमेश चंद्र, उमेश चंद्र एडवोकेट, अभय बबलू, राजीव, आशीष, वंश, आदेश, प्रमोद, राकेश, अनुज, मिलल, आकाश, अर्पित, रौनक, श्रेयाश, नीरज, सुनील, मनीष, आदित्य, समर जैन को तथा शांति धारा करने का सौभाग्य गौतव उपवन, अरुण जैन को मिला। तत्पश्चात लोहाई जैन मंदिर में पंडित मयंक जैन शास्त्री ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर प्रवचन करते



हुए कहा कि आज मात्र स्पर्शन इन्द्रिय के विषय-सेवन के त्यागरूप व्यवहार को ही ब्रह्मचर्य माना जाता है, स्पर्शन इन्द्रिय के सम्पूर्ण विषयों के त्याग को नहीं।

मात्र एक क्रिया विशेष (मैथुन) के त्याग को ही ब्रह्मचर्य कहा जाता है, जबकि स्पर्शन इन्द्रिय का भोग तो अनेक प्रकार से सम्भव है। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म में मात्र मैथुन का ही

नहीं अपितु पांचों इन्द्रियों के विषयों का त्याग होता है।

व्रतधारी को सादा खान-पान एवं सादा रहन-सहन की प्रेरणा दी जाती है सभी प्रकार के शृङ्खारों का त्याग, अभक्ष्य एवं गरिष्ठ भोजन का त्याग कराना आदि बातें भी पांचों इन्द्रियों के त्याग की ओर संकेत करती है। जैसे गर्मियों के दिनों में कूलर एवं सर्दियों में हीटर का आनन्द लेना

स्पर्शन इन्द्रिय का ही भोग है। जिनका मन अपने शरीर से भी निर्मम हो गया, उसी को वास्तविक ब्रह्मचर्य हो जाता है। शनिवार को संगीतमय पूजन में बिंदु, साधना, मीना, शोली, सुमन, प्राची, उन्मति, जयमाला, बाँबी, मनीष, सुमन, नीतू, सुमति, आदित्य, सुनीता, प्रियंका, सुष्मा, विधि, राजेश, चक्रेश जैन आदि उपस्थित रहे। इस वर्ष विधानाचार्य

महाआरती में यह हुए शामिल

सायंकालीन सभा में सामूहिक आरती के पश्चात श्रवण भारती के तवावधान में प्रश्न मंच एवम् छोटे छोटे बच्चों द्वारा जैन धर्म से संबंधित प्रस्तुति की। बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार वितरित किए गए। महावीर जिनालय में आज की महा आरती आदेश जैन के संयोजन में महामंत्री नरेश चंद्र, उमेश चंद्र एडवोकेट, प्रवीन बबलू, मुकेश, राकेश, प्रमोद, रमन, बिपलाब, मनीष, चक्रेश जैन आदि की उपस्थिति में संपन्न हुई। इन वार्षिक आयोजनों के संसालन निशंका जैन,रोमन जैन, नितिन जैन टिंचू ने किया।

पंडित कमल कुमार जैन शास्त्री के सानिध्य में पुरुष पीले धोती, दुपट्टे में तथा महिलाएं पीली साड़ी में नंगे पैर समूह के साथ नगर के सभी मंदिरों में भ्रमण कर अर्घ्य समर्पित करने की इस अनोखी पहल की जैन समाज ने सराहना की है।

दान में दिया गया रास्ता बंद करने पर विफरे ग्रामीण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर पंचायत के मोहल्ला गढ़ी निवासी कई दर्जन महिलाएं और पुरुषों ने तहसील में आकर प्रदर्शन किया उन्होंने अपर जिलाधिकारी श्याम लता आनंद को प्रार्थना पत्र देकर बताया की नगर पंचायत के ही मोहल्ला कृष्णा नगर निवासी पूर्व अध्यक्ष हाकिम सिंह यादव पुत्र हरजारीलाल ने थाने के सामने की जमीन को किसी हरिजन व्यक्ति से खरीदा था, क्योंकि उक्त जमीन का स्वयं हाकिम सिंह यादव के नाम बैनामा नहीं हो सकता था, उन्होंने उक्त नंबर गाटा संख्या 1338/ 279 का बैनामा अपनी ससुराल में रहने वाले बूजलाल पुत्र झरगद जाटव निवासी नगला भागत थाना भरथना जनपद इटावा के नाम करा दिया था। हाकिम सिंह यादव ने उस खेत की प्लॉटिंग वर्ग फुट में की और उन लोगों से मोटी रकम लेकर बूजलाल पुत्र झरगद से उन सभी नाम बैनामा करते रहे और स्वयं साक्षी बनाकर अपने निजी प्लाट संख्या 1726 के बीच से रास्ता सभी के आने जाने के लिए रजिस्टर्ड शपथ पत्र जो तहसील भोगांव में



लिखा गया था में दे दिया था। शपथ पत्र में लिखा है कि थाने के सामने वह अपने निजी प्लॉट संख्या 1726 को बड़ा दिखाकर 10 फुट चौड़ा और 90 फीट लंबा रास्ता सभी कॉलोनी वासियों को दान के रूप में दे रहे हैं और उसी रास्ते की वजह से उन लोगों ने उस भूखंड में प्लॉट्स के बैनामा कराए थे। लंबे समय से कर रहे थे रास्ते का इस्तेमाल बड़े लंबे समय तक उक्त लोग उसी रास्ते

का इस्तेमाल भी करते रहे। कुछ समय पूर्व प्लाट संख्या 1726 में पुराना रास्ता व बनी हुई दुकानों को हाकिम सिंह यादव ने तुड़वा दिया और नए मार्केट का निर्माण कराया जिसमें नक्शा बदल गया और रास्ते को बीच से न देकर दक्षिण की तरफ 10/ 90 निकालने के लिए रास्ता बना दिया गया। कॉलोनी वासी उसी रास्ते से आना जाना शुरू कर दिए परंतु कुछ समय पूर्व हाकिम सिंह के

संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर किया प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के दरबार में जाकर लगायेंगे गुहार

ग्रामीणों ने कहा कि उसे रास्ते को तत्काल खुलवाया जाए ताकि उन्हें आने जाने में सुविधा हो जाय। यदि जिला स्तर पर इसकी सुनवाई न की गई तो वे वह लोग मुख्यमंत्री के दरबार में जाकर गुहार लगायेंगे। भाग करने वालों में शिवकुमार गुप्ता उमा देवी सनी से घ्यारेलाल श्रीवास्तव राजेश शायय नदीन दुबे रामबरन पांडे विपिन कुमार गुप्ता कमलकांत बंदना पांडे सिमलेश कुमार सुधा गुप्ता सिया देवी पूजा देवी रानी गुप्ता सुनीता दुबे नितिन दुबे ऋषभ शायय विपूष गुप्ता आनंद कुमार सुभाष चंद्र श्याम बिहारी अनीता देवी नितेश कुमार अनिल कुमार अंकित राठौर ममता देवी आदि शामिल थे।

छोटे पुत्र अभिनय उर्फ भोलू यादव ने चलते हुए रास्ते पर टीन लगाकर रास्ता बंद कर दिया जिससे उन लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया स्थलीय निरीक्षण

एसडीएम को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश

प्रभावितों को ससमय हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए-संजीव रंजन, डीएम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा टप्पल क्षेत्र में यमुना नदी में बाढ़ से प्रभावित ग्राम पखोदना का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया गया। डीएम ने एसडीएम खैर शिशिर सिंह को निर्देशित किया कि ग्रामीणों को किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या न होने दी जाए। राहत एवं बचाव कार्य तेजी से करते हुए हर प्रकार की सहायता ससमय उपलब्ध कराई जाए।एसडीएम खैर ने जिलाधिकारी को बताया कि नगला अमर सिंह, नगला रामस्वरूप, नाला चंडीगढ़ व धारागढ़ी ऊटासानी राजस्व ग्राम के मजरे हैं। वर्तमान में यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के चलते जलमग्न हो गए हैं। तहसील प्रशासन द्वारा



बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों की सुविधा के लिए किसान इंटर कॉलेज पखोदना में बाढ़ चेकी स्थापित की गई है। पंचायत घर एवं प्राथमिक विद्यालय में प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं। राजस्व विभाग द्वारा प्रभावित ग्रामों व शरणालयों में खाने-पीने व रहने की

समुचित व्यवस्था कराई जा रही है।उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंबुलेंस सुविधा के साथ दो चिकित्सा टीमें दिन व रात अलग-अलग पालियों में तैनात की गई हैं। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। पशुओं की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पशु चिकित्सकों की दो टीमें

लगाई गई हैं। प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए नाव और स्टीमर की व्यवस्था एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की वितरण किया गया है। विद्युत विभाग के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग का रेस्क्यू दल भी सक्रिय है।

दिव्यांग जनों ने यूपी के दिव्यांग मंत्री का पुतला दहन किया आक्रोश व्यक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। दिव्यांग एकता वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में आज दिव्यांगों ने अपनी समस्याओं को लेकर प्रदेश के दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप का पुतला फूंक कर आक्रोश व्यक्त किया और मुदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हम कई बार जापान पत्र के माध्यम से सरकार को अवगत करवा चुके हैं कि दिव्यांगों की जमीन स्तर पर आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है इसलिए उनको रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराए जाए तथा एक हजार प्रति माह मिलने वाली पेंशन को दिल्ली की तर्ज पर 5000 रु किया जाए किंतु सरकार द्वारा दिव्यांगजन की मांग को अनदेखा किया गया है इसीलिए दिव्यांग जनों ने आक्रोशित होकर



दिव्यांग मंत्री का पुतला दहन करते हुए पेंशन को एक हजार रुपए से पांच हजार रुपए बढ़ाए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित जापन एसोिएम प्रथम को सौंपा।

जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि अगर मांगे नहीं मानी गई तो हम सरकार के खिलाफ जन सड़क पर उतर कर जन आंदोलन करेंगे।

जिसकी जिम्मेदार स्वयं सरकार होगी। इस अवसर पर अनीशा बेगम, अब्दुल वाजिद, पुष्पेंद्र, गौतम, अनुराग शर्मा, रामेश्वर सिंह, रवि चेहान, भूरे खान, शाहिद प्रधान, भूरा, मुस्तकीम, चैधरी राकेश, सुरेश कुमार, सारब सिंह, साजिद, आरिफ, करन, मोहम्मद नाजिम, सईद अहमद आदि उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पोर्टल में समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित होगी कार्यशाला

मण्डल स्तर पर 09 सितम्बर को डीएस डिग्री कॉलेज में होगी कार्यशाला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। वित्तीय वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पोर्टल में सरोधान, समय सारणी का प्रस्तुतीकरण व हित धारकों की समस्याओं के निराकरण व प्रश्नोत्तर के लिए 09 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से धर्म समाज महाविद्यालय में मण्डलीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।जिला समाज कल्याण अधिकारी बिनित कुमार मलिक ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में निदेशालय समाज कल्याण लखनऊ से अधिकारीगण प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने कुल सचिव, रजिस्ट्रार व छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी आरएमपीएसएसएचयू, एसएमयू, मंगलाधरन विश्वविद्यालय के साथ ही सभी प्रचार्य व निदेशक कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, बीएड, बीटीसी, पॉलिटेक्निक, फार्मेसी व आईटीआई से अपेक्षा की है कि वह कार्यशाला में निर्धारित समय व स्थान पर प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

जेएन मेडीकल कालिज के नेत्र विज्ञान संस्थान द्वारा नेत्रदान जागरूकता वाँक का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के आई बैंक, नेत्र विज्ञान संस्थान द्वारा एएमयू कुलपति प्रोफेसर नड्मा खातून के नेतृत्व में 40वीं राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाने के उपलक्ष्य में एक नेत्रदान जागरूकता वाँक का आयोजन किया गया।वाँक की शुरुआत जे.एन. मेडिकल कॉलेज से हुई, जिसे प्रो. हबीब रजा, प्राचार्य जेएन मेडीकल कालिज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर लगभग 500 डॉक्टर, प्रोफेसर, नर्सिंग स्टाफ, सामाजिक संगठन और मेडिकल विद्यार्थी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हृदयनेत्रदान - महादानह्म का संदेश देते हुए स्लोगन, पोस्टर, झंडे और बैनर धाम्ये हुए प्येहस डॉ. एम. साकिब (सह प्रभारी, आई बैंक) ने कॉर्निनल अंधत्व की गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि



भारत में दस लाख से अधिक लोग कॉर्निनल ब्लाईंडनेस से पीड़ित हैं। प्रति वर्ष एक लाख कॉर्निया की आवश्यकता होती है, जबकि केवल लगभग 25,000 ही उपलब्ध हो पाते हैं। कोई भी व्यक्ति मृत्यु के छह घंटे के भीतर नेत्रदान कर सकता है। यह प्रक्रिया केवल 15 मिनट लेती है और इससे दाता के चेहरे की बनावट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।डॉ. जिया सिद्दीकी ने बताया कि जेएन मेडीकल कालिज का आई बैंक अलीगढ़ मंडल का एकमात्र आई बैंक है और इसे मजबूत बनाना

समाज की साझा जिम्मेदारी है। प्रो. ए.के. अमितावा ने कुलपति का स्वागत किया और सभी प्रतिभागियों से नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की।एमयू कुलपति प्रोफेसर नड्मा खातून ने नेत्र विज्ञान संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए समुदाय से इस महान अभियान से जुड़ने एवं नेत्रदान का संकल्प लेने का आग्रह किया। सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान ने आई बैंक की इस पहल का स्वागत किया और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर

पीटीए मार्ग के अलीगढ़-पलवल सेक्शन में 30 सितम्बर तक बंदेगा प्रतिकर

एडीएम प्रशासन ने कार्मिकों की तैनाती कर शिविर लगाते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पंकज कुमार ने बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 अलीगढ़-पलवल सेक्शन के निर्माण एवं चैडीकरण में भू-अर्जन से प्रभावित तहसील कोल के 03 ग्रामों में एवं तहसील खैर के 28 ग्रामों में भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित की जानी है। उन्होंने बताया कि भू-अर्जन से प्रभावित उक्त ग्रामों के भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित किए जाने के लिए विभिन्न तिथियों में शिविर आयोजित किए जाने के लिए कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है।उन्होंने बताया कि 08 सितम्बर को उसरह रसूलपुर,

बांकरन, असरोई में, 09 सितम्बर को बैरमगढ़ी, जलालपुर, कनौरा में, 10 सितम्बर को पड़ियावली, बुलाकीपुर, पड़ील में, 11 सितम्बर को लोधा, हरिरामपुर, चैधाना में 12 सितम्बर को उसरह रसूलपुर, पड़ियावली, खेड़िया बुजुर्ग में, 13 सितम्बर को अण्डला, मईनाथ, पड़ील में, 15 सितम्बर को लौहसरा बढौली फत्ते खां, खण्डेहा में, 16 सितम्बर को फाजिलपुर कलां, सोतीपुरा, पड़ियावली में, 17 सितम्बर को डोरपुरी, कुराना, बढौली फत्ते खां में, 18 सितम्बर को टप्पल, उसरह रसूलपुर, पड़ील में, 19 सितम्बर को, घरबारा, उसरह रसूलपुर, पड़ियावली में, 20 सितम्बर को बांकरन, घरबारा, बैरमगढ़ी, 22 सितम्बर को मुकन्दपुर, अण्डला, जलालपुर में, 23 सितम्बर को टप्पल, बुलाकीपुर, पड़ील में, 24 सितम्बर को सोतीपुरा, फाजिलपुर कलां, पड़ियावली में, 25 सितम्बर को बढौली फत्ते खां,

डोरपुरी, पड़ियावली में, 26 सितम्बर को मुकन्दपुर, पड़ील, टप्पल में, 27 सितम्बर को लक्ष्मनगढ़ी, उसरह रसूलपुर, पड़ियावली में, 29 सितम्बर को बैरमगढ़ी, लोधा, घरबारा में एवं 30 सितम्बर को करसुआ, कनौरा, कुराना में शिविर लगाए जाएंगे।एडीएम प्रशासन ने तैनात किए गए क्षेत्रीय लेखपाल, भूमि अध्याप्ति अमीन एवं भूमि अध्याप्ति सहायक को निर्देशित किया है कि अपने-अपने ग्रामों के फार्म-सीसी भरवाना एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि प्रतिकर वितरण को कार्यवाही यथाशीघ्र संपादित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन ग्रामों के काश्तकार बाहर के निवासी हैं अथवा बाहर रहते हैं, उन्हें भी सूचित कर फार्म-सीसी भरवाना सुनिश्चित करें और कार्य प्रगति की आख्या संबंधित उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रतिदिन एनएचआई कार्यालय कलैक्ट्रेट में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मुख्यालय स्तर से प्रतिबंध आदेश होने के बाद भी रोडवेज में भरकर जा रहा कमर्शियल लगेज



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। रोडवेज की बसों में कोरियर पार्सल ले जाने का अनुबंध दिल्ली की एबीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड नामक कंपनी को 11 जुलाई 2024 को परिवहन निगम मुख्यालय लखनऊ ने प्रदान किया था। लेकिन कुछ माह के बाद ही 5 मई 2025 को इस अनुबंध को निगम प्रबंधन के द्वारा निरस्त कर दिया गया। जिसकी सूचना सभी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधकों को पत्र के माध्यम से भेज दी गई थी ,जो कि प्रधान प्रबंधक विपणन अंकुर विकास के द्वारा जारी किया गया था। लेकिन वर्तमान वर्ष के मई माह में पार्सल की कोरियर सेवा का अनुबंध समाप्त होने के बाद भी सिर्फ अलीगढ़ से ही संचालित होने वाली बसों में लाखों रुपए का अवैध पार्सल का व्यावसायिक कार्य संपादित किया जा रहा है। जबकि मुख्यालय के पत्रांक संख्या 132 सीएमडी२25-151सीएफडी२4 दिनांक 5 मई 2025 के द्वारा साफ-

साफ आदेश जारी किया गया था। लेकिन संबंधित अधिकारियों की अधिकारियों की घूसखोरी के चलते अलीगढ़ से लखनऊ ,कानपुर, जयपुर, देवराडून ,मुरादाबाद आदि स्थान पर जाने वाली बसों में खुलेआम कमर्शियल पार्सल का कार्य संपादित किया जा रहा है । रास्ते में मिलने वाले चैकिंगकताओं की जेब गर्म करते हुए परिचालकों के द्वारा बिना बुक किए हुए लगेज को ले जाया जाता है। अलीगढ़ में ही बस स्टैंड पर अवैध पार्सल घर संचालित किये जा रहे हैं। और तो और सिर्फ लगेज लेने के लिए ही प्रतिबंध होने के बाद भी रोडवेज बसें पुराने बस स्टैंड गांधी पार्क से होकर निकलती हैं, जबकि एडवाइजरी जारी की जा चुकी है कि गांधी पार्क की ओर कोई भी रोडवेज बस नहीं आएगी। लेकिन उसके बाद भी शाम ढलते ही और सुबह होने तक लगेज के आदान-प्रदान के लिए रोडवेज बसों के फराटों गांधी पार्क बस स्टैंड की तरफ देखे जा सकते हैं।

खाद्य विभाग की प्रतिक्रिया

सहायक आयुक्त खाद्य अजय कुमार जायसवाल ने कहा कि विभाग लगातार निरीक्षण और जांच अभियान चला रहा है। आने वाले समय में इसे और कठोर बनाया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि जो भी विक्रेता खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसोसिएशन की सक्रिय भूमिका

मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रदीप वैहान ने बताया कि संगठन केवल कर्मचारियों की समस्याओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जनहित और सामाजिक मुद्दों को लेकर भी संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि यदि लोगों को शुद्ध भोजन और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो जाए, तो स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाला दबाव अपने आप कम हो जाएगा। हमारा संगठन हमेशा ऐसे मुद्दों पर आवाज उठाता रहेगा।

निकर्ष और आगे की राह

बैठक से निकर्ष निकला कि जिले में स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन, विभाग और सामाजिक संगठन तीनों ही गंभीर हैं। एक ओर जहां विभागीय अधिकारी कार्रवाई का भरसा दिला रहे हैं, वहीं एसोसिएशन इन मुद्दों को लेकर निरंतर संवाद और जनजागरण पर बल दे रही है। जिले में आने वाले समय में फास्ट फूड दुकानों की जांच, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन और पेयजल व्यवस्था की सख्ती से निगरानी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीडीओ ने किया विकास भवन की महिला कार्मिकों के हितार्थ आंतरिक परिवाद समिति का गठन

उपायुक्त स्वतः रोजगार मंजू त्रिवेदी समिति की अध्यक्ष नामित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवाण, प्रतिबंध और प्रतिकोष) अधिनियम 2013 के अन्तर्गत विकास भवन के सभी कार्यालयों व अनुभागों में कार्यरत महिलाओं की समस्याओं के निवारण के लिए आंतरिक परिवदा समिति का गठन किया गया किया गया।मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि समिति में उपयुक्त स्वतः रोजगार श्रीमती मंजू त्रिवेदी को अध्यक्ष, जिला विकास कार्यालय की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सुश्री सुशीला देवी, जिला विकास कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्रबहादुर सिंह एवं डीआरडीए कार्यालय से संबद्ध वरिष्ठ सहायक श्रीमती ऋत्वी शर्मा को सदस्य नामित किया गया है।

मदर टेरेसा डिग्री कॉलेज में महिला सुरक्षा विषय पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

महिला कल्याण विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

पुलिस विभाग ने विभिन्न आपातकालीन नंबर समेत आकस्मिक स्थिति से निपटने के बताए उपाय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। 10 दिवसीय कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस जिला प्रोवेशन अधिकारी अजित कुमार के दिशा निदेशानुसार शनिवार को मदर टेरेसा डिग्री कॉलेज में महिला सुरक्षा विषय आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इसके साथ ही बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत छात्राओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे- मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य), मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पोन्सरशिप



योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन, दत्तक ग्रहण की कार्यप्रणाली एवं उनसे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में समस्त छात्राओं को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं के हेल्पलाइन नंबर 181, 1090, 1076, 112, 108, 1098 एवं महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी

योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर वर्षा शर्मा, जेंडर स्पेशलिस्ट वंदना शर्मा व मेडिकल विभाग से सोनल व पुलिस विभाग से एसआई पायल मान व प्रीती व गार्गी उपस्थित रहीं। कालेज से व्यवस्थापक हिमांशु ने व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम को सम्पन्न कराया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया परिवार, बच्चे की मौत

पति-पत्नी समेत चार अन्य झुलसे, ढोलना थाना क्षेत्र के गांव बिरसुआ की घटना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र के गांव बिरसुआ में शुक्रवार की रात छत पर भोजन करते समय एक परिवार पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई। जबकि पति-पत्नी समेत चार लोग बुरी तरह झुलस गए। सभी को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना पर सीओ सदर ने गांव और एसपी व एसडीएम सदर ने जिला अस्पताल पहुंचकर हादसे की जानकारी ली।

गांव बिरसुआ में अशोक कुमार पुत्र राजवीर शुक्रवार की रात करीब 7 बजे पत्नी रेखा (32), बेटे शिवम (9), बेटी लवी (5) और काजल (6) के साथ छत पर भोजन कर रहे थे। इस दौरान उठते समय अचानक अशोक का हाथ छत के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। इससे वह करंट की चपेट में आकर तड़पने लगा। पति को तड़पता देख रेखा घबरा गई और हड़बड़ाहट में उसे छुड़ाने का प्रयास करते वक्त खुद भी चपेट में आ गईं। तीनों बच्चे भी उन्हें बचाने के चक्कर में करंट की चपेट में आ गए। तेज धमके के साथ हाईटेंशन लाइन में आग लग गई



तो मोहल्ले वालों की नजर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए परिवार पर पड़ी। पड़ोसियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर परिवार को किसी तरह छुड़ाया। तब तक सभी बुरी तरह झुलस चुके थे। आनन-फानन में सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, पति-पत्नी समेत परिवार के 4 सदस्यों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अलीगढ़ रेफर कर दिया

गया है। इस दौरान लोगों ने बताया कि गली में हाईटेंशन लाइन छत व छज्जे के पास से गुजर रही है। परिवार के इसकी चपेट में आने से ही हादसा हुआ है। उधर, एसपी राजेश भारती और एसडीएम सदर संजीव कुमार घायलों का हाल जानने के लिए जिला अस्पताल पहुंच गए। वहां मौजूद परिवार के अन्य लोगों से हादसे की जानकारी ली। डॉक्टर से घायलों की स्थिति के बारे में जाना।

छोटी खबरें

काले फीता बांधकर एनपीएस/यूपीएस का किया विरोध



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। एनपीएस/यूपीएस का कासगंज शाखा के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन काले फीते बांधकर किया गया। जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे मेंस कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा छम्ड सदर कर्मचारियों की आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा इस अवसर पर वीरेंद्र कुमार राय कार्यालय मंत्री, ओमवीर सिंह कोषाध्यक्ष, हरिनाथ सिंह यादव, मानपास सिंह, श्री राम गुर्जर, चंद्रसेन मौर्य, प्रधान मीणा, गौरव बबेल, शनि कुमार, जितेन्द्र कुमार, बबलू, निर्दोष कुमार, जसवीर सिंह, कुंवर सिंह, आदि पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के अमांपुर रोड स्थित श्री सूरज प्रसाद डागा सरस्वती विद्या मंदिर में सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस को मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य हृदेश द्विवेदी ने किया। मुख्य अतिथि श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता और मुख्य वक्ता श्री वेदराम जी वर्मा विद्यालय प्रबंधक श्री संतोष कुमार माहेश्वरी और प्रधानाचार्य डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह के द्वारा डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांचल कर दिया गया। अतिथियों को पीत वस्त्र और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्यों और छात्रों ने गुरुओं के सम्मान में अपने विचार प्रस्तुत किए। डायरी पेन बैग देकर आचार्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता श्री वेदराम वर्मा ने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति रहे हैं। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान श्रारत रत्न से अलंकृत किया। श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता ने बताया उनके जन्म दिवस को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रबंधक संतोष कुमार माहेश्वरी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य श्री बुजेश चंद्र पांडे शिक्षक प्रमुख विपिन सोलंकी सूचना प्रभारी श्री करन सिंह सतीश चंद्र सूर्यवीर सिंह महेश चंद्र महीपाल सिंह योगेश कुमार शिवि भारद्वाज देवेंद्र सिंह दिनेश कुमार अरविन्द्र भगोलीबाल रवि कुमार राजवीर सिंह रजत रस्तोगी राजबहादुर सिंह आदि सभी आचार्यों ने सहभागिता की।

लायंस क्लब का शिक्षक दिवस समारोह एवं मासिक बैठक सम्पन्न

मुख्य अतिथियों व शिक्षकों का प्रतीक चिन्ह व शॉल उड़ाकर किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। लायंस क्लब कासगंज का शिक्षक दिवस समारोह एवं मासिक बैठक रोडवेज बस स्टैंड के पास होटल शीतला पैलेस में लायंस क्लब के अध्यक्ष दिनेश वर्मा की अध्यक्षता संपन्न हुई। मुख्य अतिथि जौन चेयरपर्सन अनुराग महेश्वरी एवं रीजनल चेयरपर्सन एके सिंह पुंडीर ने सरस्वती एवं सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक के रूप में श्रीमती सोमवती शर्मा (प्रधानाध्यक्ष) जयंत गुप्ता (प्रवक्ता) राजेश यादव (प्रधानाचार्य) नन्नु सिंह वर्मा (प्रधानाध्यक्ष) जीएस राजपूत (डीसी) श्रीमती मुकेश कुमारी साहू (प्रधानाध्यक्षिका) लोकेन्द्र पाल सिंह (प्रधानाध्यक्ष) खगेंद्र बाबू



(अध्यापक) राकेश माहेश्वरी (प्रधानाध्यापक) को तथा मुख्य अतिथियों को माला पहनाकर शाल उड़ाकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर क्लब के सभी सदस्यों ने सम्मानित किया तथा क्लब के नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया तथा तीन सदस्यों को समयबद्धता पुरस्कार से सम्मानित किया गया सचिव विजय

राजपूत ने पिछले कार्यक्रमों एवं बैठकों की पढ़कर कार्रवाई की पुष्टि की इस अवसर पर रीजनल चेयरपर्सन ऐ के सिंह पुंडीर ने कहा शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं वे अपने ज्ञान और आदर्शों से विद्यार्थियों को योग्य नागरिक बनाते हैं जौन चेयरपर्सन अनुराग माहेश्वरी ने कहा हमें अपने जीवन में सदैव

शिक्षकों का आदर करना चाहिए और उनके दिखाएँ मार्ग पर चलकर समाज और देश को प्रगति में योगदान देना चाहिए नन्नु सिंह वर्मा ने कहा शिक्षक अपने शिष्य के जीवन को प्रकाशित दीपक की तरह अलोकित कर देता है अध्यक्ष दिनेश वर्मा ने कहा कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं सभी लायंस साथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में विजय राजपूतश्र योगेश चंद्र गौड़ किशन चंद्र सक्की प्रेमचंद साहू विजेंद्र सिंह लक्ष्मीकान्त चोला लाल सिंह वर्मा कमल सिंह यादव देवेश राजपूत मोहन अग्रवाल प्रदीप कुमार सिंह श्रीमती उर्मिला सिंह राजीव कुमार महेश्वरी गिरजा शंकर मोहित अग्रवाल देवेश अग्रवाल प्रेम राणा राज अधिकारी के प्रमोशन पर फूल मालाएं एवं बुके भेंट कर एवं मिष्ठान वितरण करते हुए भव्य स्वागत किया। पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों से

जिला पंचायत राज अधिकारी के प्रमोशन पर हुआ भव्य स्वागत



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शनिवार को विकास भवन स्थित जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह के कार्यालय पर पंचायती राज विभाग के कर्मचारी एवं शिक्षा विभाग के अध्यापकों ने जिला पंचायत राज अधिकारी के प्रमोशन पर फूल मालाएं एवं बुके भेंट कर एवं मिष्ठान वितरण करते हुए भव्य स्वागत किया। पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों से

बातचीत पर पता लगा कि उनके विभाग के मुखिया अपने कर्मचारियों की पीड़ा को बहुत ही गंभीरता पूर्वक सुनते हैं तथा हर समस्या का निदान बिना किसी भेदभाव या लालच के करते हैं जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह ने दफ्तरो से भ्रष्टाचार को बिल्कुल खत्म कर दिया है इस वजह से उनके प्रमोशन पर हम लोग इकट्ठे होकर इनका स्वागत कर रहे हैं इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि हम तो चाहते हैं कि हमारे विभाग का भ्रष्टाचार

खत्म करने वाले हमारे अधिकारी हमारे जनपद को छोड़कर कहीं नहीं जाएं। इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार, शिक्षा विभाग से प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री एवं भारतीय बौद्ध महासभा के जिलाध्यक्ष रतन प्रकाश सहित सत्येंद्र सिंह, मनोज कुमार, ओमवीर सिंह, प्रवीन कुमार, सुबेदार, हरि सिंह संजय सिंह सहित दर्जनों कर्मचारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

शासन की मंशानुसार जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

डीएम एवं एसपी की उपस्थिति में तहसील सहावर में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता-जिलाधिकारी

तहसील सहावर में 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त, 06 मौके पर ही निस्तारित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा की उपस्थिति में तहसील सहावर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के बिल आने, विधवा व वृद्धावस्था पेंशन न मिलने, राशन



कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उल्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 06 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील सहावर में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राजीव अग्रवाल, उपजिलाधिकारी सहावर, उपजिलाधिकारी

न्यायिक, डीपीआरओ, डीएसओ, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसील कासगंज एवं पटियाली में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

शिक्षक दिवस पर लायंस क्लब कासगंज डायमंड ने कार्यक्रम का किया आयोजन

बदलते हुए समाज में गुरु और माता- पिता को बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है-जाखेटिया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। लायंस क्लब कासगंज डायमंड ने शिक्षकों के सम्मान में गंगा देवी माहेश्वरी भवन रेलवे रोड कासगंज में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्रीमती सुमन लता चैहान, श्रीमती दीप्ति अग्रवाल, श्रीमती स्वीटी शर्मा को उनके द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

राजकुमार जाखेटिया ने शिक्षक दिवस पर भावुक होते हुए अपने समय में विधार्थियों का गुरूओं के प्रति सम्मान पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि बदलते हुए समाज में गुरु और माता- पिता को बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। अनुराग एवं देवेंद्र चोहान और शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। संयोजक देवेंद्र चोहान एवं शिक्षकों का क्लब द्वारा मूर्मोटो व गिफ्ट देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्लब के रीजन चेयरपर्सन



लायन एके सिंह पुंडीर, जौन चेयरपर्सन लायन अनुराग माहेश्वरी, चार्टर अध्यक्ष राज कुमार जाखेटिया, अध्यक्ष लायन विनय कुमार माहेश्वरी, सचिव सुनील गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन राजीव माहेश्वरी सहित लायन डी एस चैहान, अनिल माहेश्वरी, अलका पुंडीर, अनिल जैन, डाक्टर अमित शर्मा, दुर्गेश माहेश्वरी, स्वीटी शर्मा, शिव

कुमार गुरहार, ललित अजमेरा, प्रिया माहेश्वरी, गौरव अग्रवाल, मेहा माहेश्वरी, अंजू जाखेटिया, रुचिर गुरहार, दीप्ति माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन विनय कुमार माहेश्वरी द्वारा की गई और संचालन लायन ए के सिंह पुंडीर द्वारा किया , कार्यक्रम के संयोजक लायन डी एस चौहान रहे।

दो पक्षों में मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, 10 घायल

सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में कराया भर्ती, तीन रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना कोतवाली क्षेत्र में सुबह दो पक्षों में हुई मामूली कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों से लाठी-डंडे चलने लगे। इस मारपीट के दौरान एक पक्ष से नौ लोग तथा दूसरे पक्ष से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया। अन्य का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। बताया जाता है कि ढोलना कोतवाली क्षेत्र के गाँव तैयबखाना निवासी हरि सिंह पुत्र राम सिंह व रविन्द्र पुत्र होशियार सिंह में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस मामले में हरि सिंह ने ढोलना कोतवाली में एक तहरीर भी दी थी। पीड़ित का आरोप है कि कल देर शाम हरि सिंह का गाँव के

ही भरत सिंह पर फोन आया था कि वह क्षेत्र के गाँव तैवालपुर के पास खड़ा है, उसे बाइक से बुला ले जायें। इस पर भरत सिंह उसे बाइक से लेकर आया। यह बात रविन्द्र को बुरी लगी और आज सुबह वह अपने परिवार व साथियों के साथ भरत सिंह के घर पहुंचा और कहासुनी करने लगा। अचानक कहासुनी मारपीट में बदल गई और दोनों पक्षों से लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट के दौरान एक पक्ष से भरत सिंह, उसका भाई वीरेश, पाप्पू, मूलचंद, पत्नी मंजु, भाभी बिनोता, सनोज, 12 वर्षीय भतीजा शिवम व मुनेश पुत्र बलिवुद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से बंटी पुत्र प्रताप सिंह घायल हुआ। परिजनों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया। अन्य का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। बताया जाता है कि ढोलना कोतवाली क्षेत्र के गाँव तैयबखाना निवासी हरि सिंह पुत्र राम सिंह व रविन्द्र पुत्र होशियार सिंह में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस मामले में हरि सिंह ने ढोलना कोतवाली में एक तहरीर भी दी थी। पीड़ित का आरोप है कि कल देर शाम हरि सिंह का गाँव के

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जागरुकता कार्यक्रम हुआ आयोजन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के अंतर्गत चल रहे 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत जिला अस्पताल में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. पल्लवी सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण बनाने, यौन उत्पीड़न से बचाव, महिला अधिकारों तथा उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों (112, 181, 1090, 1076) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जागरुकता अभियान में वन स्टॉप सेंटर और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम की सक्रिय भागीदारी रही।

भव्य धार्मिक आयोजन में गुंजा हर-हर महादेव, जिला पंचायत अध्यक्ष का हुआ विशेष सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। 114वें दाऊजी महाराज मेले के अंतर्गत श्री वेद भगवान शिविर, किला स्थित मंदिर में 6 सितंबर को भव्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। आचार्य नमन कोशल्या एवं पं. राघव वशिष्ठ के निर्देशन में वेदावर्चन, वेद पाठ और हवन-यज्ञ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। शाम को विष्णु यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बह-चंद्र कर भाग लिया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा उपाध्याय को जन्मदिन पर विशेष सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र स्वर्कप शर्मा (फौजी), पं. बगीस कुमार शर्मा, दुर्गा प्रसाद उपाध्याय सहित कई धार्मिक विद्वान और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। यज्ञ के पश्चात दोपहर 1 बजे भव्य परावर्तन यात्रा शहर के प्रमुख बाजारों से होते हुए कामेश्वरनाथ मंदिर पहुँची, जहाँ आरती और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा सम्पन्न हुई। पूरे नगर में हर-हर महादेव, दाऊजी महाराज की जय, गौ माता की जय, भारत माता की जय के उद्घोष गूँजते रहे और वातावरण अत्यंत धर्मयय बन गया।

पॉश एक्ट पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में, मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी सीमा मौर्यो के नेतृत्व में संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के तहत 10 दिवसीय विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पंचम दिन हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन टीम द्वारा आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, अध्यापिका तथा अन्य विभागीय महिला कर्मचारी को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम (पॉश एक्ट 2013) के विषय में जानकारी प्रदान की गई।महिला कल्याण विभाग की डीएमसी मोनिका दैक्षित ने उपस्थित महिला कर्मचारियों को पॉश एक्ट 2013 के प्रावधान, महिला कल्याण विभाग की योजनाएं, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 और 1090 के उपयोग की जानकारी विस्तार से दी। जनपद के प्रत्येक कार्यालय में जहां 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है, वहां आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है। जहां 10 से कम कर्मचारी हैं, वहां बह कार्यालय की स्थानीय समिति के अंतर्गत मामला आता है।इस अवसर पर जेंडर स्पेशलिस्ट सीमा द्वारा पॉश एक्ट से संबंधित पेम्प्लेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरुकता फैलाना रहा।

ईद मिलाद-उन-नबी पर नगर में की गई विशेष सफाई व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ईद मिलाद-उन-नबी के पावन अवसर पर मुस्लिम समुदाय ने पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया। इस्लामी पंचांग के अनुसार यह पर्व रबी-उल-अव्वल माह में मनाया जाता है और इस दिन नगर में विशेष जलूस भी निकाला जाता है।इस पर्व को सुचारु रूप से मनाने एवं जलूस मार्ग को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर पंचायत ने विशेष सफाई अभियान चलाया। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार जैन ने मुहल्ला कस्बाबान सहित अन्य प्रमुख स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया। जहां सफाई की कमी पाई गई, वहां सफाईकर्मी तैनात कर तत्पराी से सफाई करवाई गई। निरीक्षण के दौरान लिफिक नरेंद्र रावत, अमरदीप, दीपेश वर्मा, रजनेश सहित दर्जनों सफाईकर्मी उपस्थित रहे। नगर पंचायत की यह पहल नगरवासियों द्वारा सराही गई, जिससे पर्व की पवित्रता और धार्मिक भावना पूर्ण वातावरण में बना रहा।

विशाल व्यापारी सम्मेलन का भव्य आयोजन आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस।उद्योग व्यापार विकास मंच के तत्वाधान में मेले श्री दाऊजी महाराज के पंडाल में 7 सितंबर, रविवार को प्रातः 10-00 बजे विशाल व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश चैयरमैन फैम भूपेंद्र सिंह सोवती, हरिगढ़ सांघव सतीश गौतम, सांसद अनूप प्रधान, राज्यस्तरभा सांसद ऋषिपाल सिंह, मानवेंद्र सिंह गुरुजी, जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, हरिगढ़ मेयर प्रशांत सिंघल, भाजपा जिलाअध्यक्ष शरद मेहेश्वरी, लोकदल जिलाअध्यक्ष श्याम प्रधान, विधायक अंजुला माहौर, वीरेंद्र सिंह राणा, प्रदीप चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की सफलता हेतु विष्णु गौतम, मनोज अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, प्रदीप बंसल, सुरेश अग्रवाल, युवा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र वाण्य, योगेश वाण्य, मोहित वाण्य, अमित वाण्य, आकाश वर्मा, सचिन अग्रवाल सहित दर्जनों व्यापारी समाज के प्रमुख सदस्य भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही अनिल वाण्य (तेल वाले), सजीव औषवाल, अरुण कुलश्रेष्ठ, सुनील वर्मा, अभय अग्रवाल, देवकीनन्दन वर्मा, बृट् भैया, नंदकिशोर अग्रवाल जैसे समाजसेवी का विशेष योगदान कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।व्यापारी सम्मेलन से व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ नवाचार और सामाजिक सद्भावना का संदेश भी मिलेगा। समस्त व्यापार मंडल के पदाधिकारी और सदस्य पूरी मेहनत से कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

मंत्री महिला कल्याण बेबीरानी मौर्य आज विचार गोष्ठी में शामिल होंगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिला प्रोटोकॉल तथा सम्पर्क अधिकारी ने अवगत कराया है कि मा० मंत्री महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुर्नहार, उत्तर प्रदेश शासन बेबीरानी मौर्य 07 सितंबर को सायं 5 बजे श्री दाऊजी मेला पाण्डाल, हाथरस में आयोजित डॉ० भीमराव अंबेडकर जी की विचार गोष्ठी में प्रतिभाग करेंगी। इस कार्यक्रम में जनसाधारण के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक व शैक्षणिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

मेले श्री दाऊजी महाराज में आरोग्य भारती का स्वास्थ्य शिविर आज से शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मेले श्री दाऊजी महाराज के पावन आयोजन के दौरान आरोग्य भारती द्वारा स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ 7 सितंबर को किया जाएगा। आरोग्य भारती के जिला संयोजक डॉ सुनील दैक्षित ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन संगठन मंत्री डॉ रंमेश चंद्र करेंगे।इस स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेदिक व होम्योपैथी दोनों प्रकार के परामर्श उपलब्ध रहेंगे। शिविर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श, औषधि वितरण के साथ-साथ स्वास्थ्य से संबंधित जागरुकता भी प्रदान की जाएगी। यह 7 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर प्रतिदिन सायं 5 बजे से 9 बजे तक संचालित रहेगा, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे।इस पहल से मेला में आने वाले आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने का अवसर मिलेगा तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार से अलीगढ़ को मिली 149 करोड़ 79 लाख की सौगात

नगर आयुक्त ने सीएम छिड अंतर्गत चयनित सड़को का किया निरीक्षण,वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित हुई 53.43 करोड़ धनराशि



शहर की 6 सड़कें बनेगी वर्ल्ड क्लास की स्मार्ट सड़कें

नगर आयुक्त ने निरीक्षण में लिया अहम निर्णय,कालीदह से अवतार नगर को जाने वाली सड़क को जलभराव से मिलेगी निजात

भुजपुरा बाईपास पर सड़क वैड़ीकरण को देखते हुए बीच में बनेगी सीवर नाली
महापौर व नगर आयुक्त की मेहनत लाई रंग, उत्तर प्रदेश सरकार की सौगात से अलीगढ़ में होगा वैमुखी विकास
यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन ने अलीगढ़ को दी विकास की नई सौगात

महापौर व नगर आयुक्त के प्रयास ला रहे रंग,अलीगढ़ के विकास को दी नई पहचान, जल्द अलीगढ़ की 6 सड़कें के निर्माण की शासन को भेजी जाएगी डीपीआर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रमुखमंंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत अलीगढ़ में स्वीकृत 6

प्रमुख मार्गों के निर्माण कार्य हेतु 149 करोड़ 79 लाख की स्वीकृति मिली है।यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन श्री योगी आदित्यनाथ

अबीर-गुलाल उड़ाते निकाली गई गणेश विसर्जन यात्रा



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सहावर कस्बा में वाण्योय समाज की ओर से गणेश विसर्जन यात्रा धूमधाम से अबीर गुलाल उड़ाते हुए निकाली गई। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया, अब्की बरस तू जल्दी आ के जयकारे भी वातावरण में गुंजायमान हो रहे थे। विसर्जन यात्रा कस्बे के बड़ा बाजार स्थित बारहसैनी मंदिर से निकली गई। जो कटरा बाजार, गज रोड, स्टेट बैंक चैराहा, मैन चैराहा होते हुए सोरो रोड़ होते हुए

निकाली गई। गणेश मूर्तियों का कछला घाट पर भूविसर्जन किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस मौजूद रही। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष मनीष वाण्योय, गौरव वाण्योय, उपाध्यक्ष, संतोष वाण्योय, उपाध्यक्ष मुकुल वाण्योय, महामंत्री नितिन वाण्योय, कोषाध्यक्ष मोहित वाण्योय, उपकोषाध्यक्ष गौरव वाण्योय सोनु, उपमंंत्री नवीन वाण्योय, उपमंत्री दीपक वाण्योय, स्थित बारहसैनी मंदिर से निकली गई। जो कटरा बाजार, गज रोड, स्टेट बैंक चैराहा, मैन चैराहा होते हुए सोरो रोड़ होते हुए

सहावर की पूर्व चेयरपर्सन जाहिदा सुल्तान ने बाढ़ पीड़ित माँ का दर्द किया साझा

मासूम की मौत से टूटी माँ के साथ जमीन पर बैठीं, दिया हर सम्भव मदद का भरोसा

जाहिदा सुल्तान का वीडियो वायरल, ईसानियत और सादगी की हो रही सराहना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद से एक बेहद भावुक करने वाली तस्वीर सामने आई है।

सहावर की पूर्व चेयरपर्सन जाहिदा सुल्तान ने पटियाली के बाढ़प्रस्त इलाकों का दौरा किया। इस दौरान वे उन परिवारों तक भी पहुँचीं जिनकी जिंदगी बाढ़ की मार से बुरी तरह प्रभावित हुई है। वैसे के दौरान जाहिदा सुल्तान ने नागला जयकिशन गांव पहुंचकर उस माँ से भी मिलीं,

जिसने हाल ही में अपना मासूम बेटा विवेक खो दिया। बताया जा रहा है कि बाढ़ के पानी की वजह से न तो समय पर इलाज मिल सका और न ही उचित संसाधन उपलब्ध हो पाए। इलाज की कमी के कारण मासूम ने दम तोड़ दिया और माँ की गोद हमेशा के लिए सुनी हो गईं। इस दर्दनाक घटना से रूबरू होते ही जाहिदा सुल्तान ने गहरी संवेदना जलाई। वे पीड़ित महिला के पास बैठ गई और न केवल उसका दर्द साझा किया बल्कि उसे हर सम्भव

मदद का भरोसा भी दिया। भावनाओं से भरे इस क्षण में पूर्व चेयरपर्सन ने जमीन पर बैठकर उस माँ को सात्वना दी। यह दृश्य मानवीय संवेदनाओं का ऐसा उदाहरण बन गया जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया कि राजनीति से ऊपर ईसानियत होती है। फिल्हाल इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग जाहिदा सुल्तान की इस सादगी और मानवीय व्यवहार की जमकर सराहना कर रहे हैं।

जहां बड़ों का सम्मान होता वहां भगवान रहते

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शनिवार को शहर के कचहरी रोड स्थित सेंट मेरीज स्कूल के केजी सैक्शन में बच्चों ने बड़े ही हर्षोल्लास से ग्रांड पेरेन्ट डे मनाया। विद्यालय की अध्यापिका अंशिका ने बताया कि अपने बुजुर्गों को प्यार व सम्मान दें जिसके वो हकदार हैं, जिस घर में बड़ों का आदर व सम्मान किया जाता है उस घर में भगवान रहते हैं।

विद्यालय प्रधानाचार्या मनोरमा ने छात्रों को अपने संदेश में बताया कि बुजुर्ग परिवार की जड़ के रूप में जाने जाते हैं, ये अपने अनुभव और समझ से नई पीढ़ियों को आगे बढ़ने में मदद करते हैं। कहते है कि बच्चे की पहली पाठशाला उनका घर, उसके अध्यापक और उसके बुजुर्ग होते हैं। बच्चों को भिन्न-भिन्न गतिविधियों द्वारा ग्रांड पेरेन्ट डे के बारे में बताया गया। कक्षा नर्सरी से



कक्षा 1 तक के बच्चों ने तरह-तरह के कार्ड अपने दादा-दादी व नाना-नानी के लिए बनाए। विद्यालय प्रबन्धक दीपक दास ने बच्चों की

गतिविधियों को देखकर उनकी सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्या मनोरमा, प्रबन्धक

दीपक दास, एसोसिएट डायरेक्टर कुशाग्र दास, केजी सैक्शन इन्चार्ज अंजना अधिकारी के साथ-साथ सम्पूर्ण स्टाॅफ उपस्थित रहा।

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

शनिवार दोपहर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अधिशासी अभियंता बिजेन्द्र पाल सिंह व अन्य सिविल इंजीनियर को साथ लेकर मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के तहत अलीगढ़ में 6 सड़कों को वर्ल्ड क्लास सड़कों के रूप में निर्माण कराए जाने के से पूर्व स्थलीय निरीक्षण किया। चयनित 6 सड़कों के अंतर्गत नगर आयुक्त ने कालीदह से अवतार नगर व भुजपुरा बाईपास सड़कों पर निर्माण कार्य में बाधक अतिक्रमण व अन्य बारीकियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सभी सिविल इंजीनियर को तत्काल इन सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना को अग्रिम कार्यवाही करने के लिए कहा। कालीदह मरघट से अवतार नगर को जाने वाली सड़क पर बहाव व डलाव के कारण बरसो पुराना जल भराव की स्थिति होने को देखते हुए नगर आयुक्त ने यहां पपिंग स्टेशन की कार्य क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ इसके डलाव को प्रॉपर तरीके से बनाने का निर्णय लिया वहीं दूसरी सड़क भुजपुरा बाईपास की तंग स्थिति को देखते हुए सीएम छिड तहत कराए जाने वाले कार्य में सड़क वैड़ीकरण के समय सीवर और नाली की व्यवस्था को बीच में रखने के लिए निर्देश दिए ताकि ज्यादा से ज्यादा सड़क वैड़ी हो सके और यातायात सुगम बन सके।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया

उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग द्वारा नगर निगम अलीगढ़ को वर्ष 2025–26 के अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट योजना (सीएम छिडस) के तृतीय चरण के लिए 149 करोड़ 79 लाख की बड़ी सौगात मिली है। तृतीय चरण में अलीगढ़ नगर निगम क्षेत्र की कुल 6 प्रमुख मार्गों के निर्माण एवं सुध्दीकरण कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कुल 53.43 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है साथ ही साथ शासन द्वारा प्रस्तावित कार्यों के डी.पी.आर . सीएम छिडर योजनान्तर्गत निर्गत दिशा-निर्देशों के अधीन समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए तत्काल शासन को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। डीपीआर स्वीकृत होने के उपरांत प्राथमिकता पर कार्य कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप इस योजना का उद्देश्य शहर की प्रमुख सड़कों को वर्ल्ड क्लास की सड़कों के रूप में वैज्ञा, मजबूत एवं यातायात के अनुकूल बनाना है, ताकि आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध हो सके। योजना अंतर्गत स्वीकृत सड़कों का विवरण 1. भुजपुरा बाईपास रोड (मथुरा रोड से खैर रोड तक) ₹ 2450 मीटर लम्बाई का निर्माण, अनुमानित लागत 11.07 करोड़ रुपये। 2. मथुरा रोड पर सासनीगेट चैराहे से दिल्ली-कानपुर (जी.टी. रोड) बाईपास तक सड़क निर्माण कार्य ₹ 1940 मीटर, लागत 10.08 करोड़ रुपये। 3. मेंडिकल रोड (दोदपुर रोड से मेंडिकल कॉलेज तक) ₹ 1150 मीटर, लागत 8.28 करोड़ रुपये। 4. सराय हरनारायणहरासनी गेट चैराहे से पंचनमारी पोखर तक ₹ 880 मीटर, लागत 6.33 करोड़ रुपये। 5. कालीदह मरघट से अवतार नगर होते हुए रेलवे फाटक तक 2280 मीटर, लागत 11.41 करोड़ रुपये। 6. जेल रोड पुल से नई बस्ती पोखर, मुसह्राबाद जी.टी. रोड, रघुवीरपुरी रोड होते हुए गूलर रोड तक ₹ 970 मीटर, लागत 6.26 करोड़ रुपये। नगर आयुक्त ने बताया कि इन सभी कार्यों की कुल लम्बाई 9670 मीटर होगी तथा इन पर लगभग 149.79 लाख रुपये प्रति किलोमीटर की लागत आएगी। कुल मिलाकर 53.43 करोड़ रुपये की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है। कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के लिए निविदा प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी की जाएगी। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि यह परियोजना अलीगढ़ की यातायात व व्यापार को नई दिशा देगी। संकरी और जर्जर सड़कों के कारण लंबे समय से नागरिकों को हो रही परेशानी अब दूर होगी। वैड़ी और अधुनिक तकनीक से बनी सड़कें आने वाले समय में शहर के व्यापार को एक नई दिशा भी प्रदान करेंगी।

महाराज जी ने अलीगढ़ में विकास की

नई परिभाषा लिखने के लिए महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के प्रयासों को देखते हुए

मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के तहत अलीगढ़ में 6 सड़कों को वर्ल्ड क्लास सड़कों के रूप में निर्माण कराए जाने के लिए 149 करोड़ 79

लाख की धनराशि आवंटित की है निश्चित रूप से इस बड़ी धनराशि से शहर के विकास को एक नई पहचान और रफ्तार मिलेगी।

जिला कांग्रेस कमेटी ने धूमधाम से मनाई राष्ट्रपति डॉ0 राधाकृष्णन की जयंती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कैम्प कार्यालय गांधी मूर्ति पर भारतरत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 राधाकृष्णन की जयंती को जिलाध्यक्ष मनोज पाण्डेय की अध्यक्षता में मनाई गई। उपस्थित सभी कांग्रेस कार्यकर्ता ने डॉ0 राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर पूर्व प्रवक्ता सुमन्त कुमार इंटर कालेज के आर०सी० पाण्डेय व प्रधानाध्यापक बेसिक शिक्षा से अवकाश प्राप्त विमलकुमार सिंह का सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष पाण्डेय ने राधाकृष्णन के जीवन से जुड़े रोचक तथ्यों की जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता नहीं चाहते थे कि वे अंग्रेजी पढ़ें, वो पुजारी बनना चाहते थे। लेकिन राधाकृष्णन का शिक्षा के प्रति जागरुकता व लगन ने उन्हें महान दार्शनिक बना दिया। दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में आपके अतुलनीय कार्य को हमेशा याद रखा जाएगा। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य मुनेन्द्रपाल सिंह राजपूत ने कहा कि एक शिक्षाविद का राष्ट्रपति पद पर आसीन



होना देश के लोकतंत्र के लिए गौरव की बात थी। आपके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए 1931 में आपको नाइटहुड की उपाधि दी गई, परन्तु नाम के आगे सर न लगाकर हमेशा डाक्टर लगाना श्रेष्ठ सम्झना। वह अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना चाहते थे इसलिए उनके जन्मदिन को हम आज भी शिक्षक दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। आजके कार्यक्रम में

दीपू पाण्डेय, अमित यादव, नूर मुहम्मद नूरी, अभिषेक दुवे, आत्माराम भारद्वाज, अमनदीन अंसारी राजा सलमानी अर्चिका मिश्रा, प्रतिभा सिंह, ऊषापाल, अखिलेश पाल, ललित पाल, आगे सर न लगाकर हमेशा डाक्टर लगाना श्रेष्ठ दानिस अंसाारी, मो नदीम आदि उपस्थित रहे। केेशन- राष्ट्रपति डॉ0 राधाकृष्णन की जयंती मनाते जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण। 06केएसजे02

अटल जी के नाम आयोजित अखिल भारतीय विराट काव्यांजलि समारोह का भव्य आयोजन 11 सितंबर को

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। एम आई फन रेस्टोरेंट में एक भव्य प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें द्वितीय प्रांतीय एवं 114वों मेला श्री दाऊजी महाराज के विराट पंडाल में 11 सितंबर, गुरुवार को रात्रि 7 बजे अटल जी के नाम अखिल भारतीय विराट काव्यांजलि समारोह आयोजित होने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक तरुण शर्मा ने बताया कि इस काव्यांजलि में देशभर के ख्यातिप्राप्त कवि और कवयित्रियों भाग लेंगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा बुजबहादुर, मुख्य अतिथि राज्य मंत्री खाद्य एवं रसद सतीश शर्मा, उद्घाटनकर्ता प्रशांत शर्मा व्क्षर और दीप प्रज्वलनकर्ता प्रेमप्रकाश मीणा व्क्षर रहेंगे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में अरूप प्रधान, सीमा उपाध्याय, अंजुला माहौर, वीरेंद्र राणा, गड्डू चौधरी, पालोमी पावनी शुक्ला, शरद माहेश्वरी, श्वेता दिवाकर, गौरव आर्य, राजेश दिवाकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।आमंत्रित कविगणों में जूनी बेरांगी, सुदीर्घा भोला, अज्म शाकरी, महेंद्र मधुर, अमित शर्मा, राम भदावर, कुशल कुशलेंद्र, डॉ नितिन मिश्र, उन्नति भाद्राज प्रमुख रूप से हिस्सा लेंगे। प्रेसवार्ता में संयोजक तरुण शर्मा के साथ प्रवीण खंडेलवाल, जय शर्मा, डॉ बीपी सिंह, गोपाल कृष्ण शर्मा, दीपक भारद्वाज, अमित कुशवाह, मयंक वाण्योय, ऋषि वाण्योय, मुनेश कुशलेंद्र, रोहित अग्रवाल, वाहय सिंघल, राहुल वाण्योय, अनमोल अग्निहोत्री सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहें। कार्यक्रम के माध्यम से अटल जी की विचारधारा और प्रेरक जीवन पर विचार प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे साहित्य व समाज के बीच संवाद स्थापित होगा।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन, 33 मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन हेतु भेजा गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कल्याण करोति मथुरा के तत्वाधान में श्री जी बाबा नेत्र चिकित्सा संस्थान मथुरा एवं श्याम स्टील लिमिटेड कोलकाता के सहयोग से हरी आई हॉस्पिटल, हाथरस में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 162 मरीजों ने पंजीकरण कराकर वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा नेत्र परीक्षण कराया। परीक्षण के दौरान 33 मोतियाबिंद के मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन हेतु श्री जी बाबा नेत्र चिकित्सालय मथुरा भेजा गया।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद हाथरस के पूर्व अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने मरीजों से हालचाल पूछे और अस्पताल की गुणवत्ता पर भरोसा जताते हुए कहा कि यह अस्पताल शीघ्र ही अपने पुराने स्वरूप में लौटेगा तथा प्रदेश में अपनी विशेष पहचान बनाएगा।शिविर टीम में डॉ अनुभव उपाध्याय, सुनील कुमार (कोऑर्डिनेटर), सौरभ शर्मा, मुकुल शर्मा, ओमवीर सिंह, विकास शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। यह चिकित्सा शिविर समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गिहारा समाज द्वारा गणेश उत्सव का भव्य आयोजन, पूर्व पालिका अध्यक्ष ने किया महा आरती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। स्थानीय सीयल खेड़ा चमन तकिया पर गणेश मित्र मंडल गिहारा समाज द्वारा गणेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। 27 सितंबर को विधिपूर्वक गणेश प्रतिमा स्थापित की गई और आज नगर पालिका परिषद हाथरस के पूर्व अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा ने महा आरती कर भगवान गणेश की पूजा अर्चना की।यह आयोजन गिहारा समाज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें दस दिन तक प्रतिदिन भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। दसवें दिन विशेष रूप से पंडित आशीष शर्मा ने गणेश प्रतिमा के विसर्जन से पूर्व भक्ति भाव से महा आरती की। जैसे ही पूर्व पालिका अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा गिहारा बस्ती चमन तकिया पहुंचे, वहां के समाज जनों ने उनका भव्य स्वागत किया और ह्मणवर्षित बप्पा मोरिया, अमले बरस तू जल्दी आहू के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय कर दिया।



रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरुआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरुआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं। लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरुआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

- अपने दिन की शुरुआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
- बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
- इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
- अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
- बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
- इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
- बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
- जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
- आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

- रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
- सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
- इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
- इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलुबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलुबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलुबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।



बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलुबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोबिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती

है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम करें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसिटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

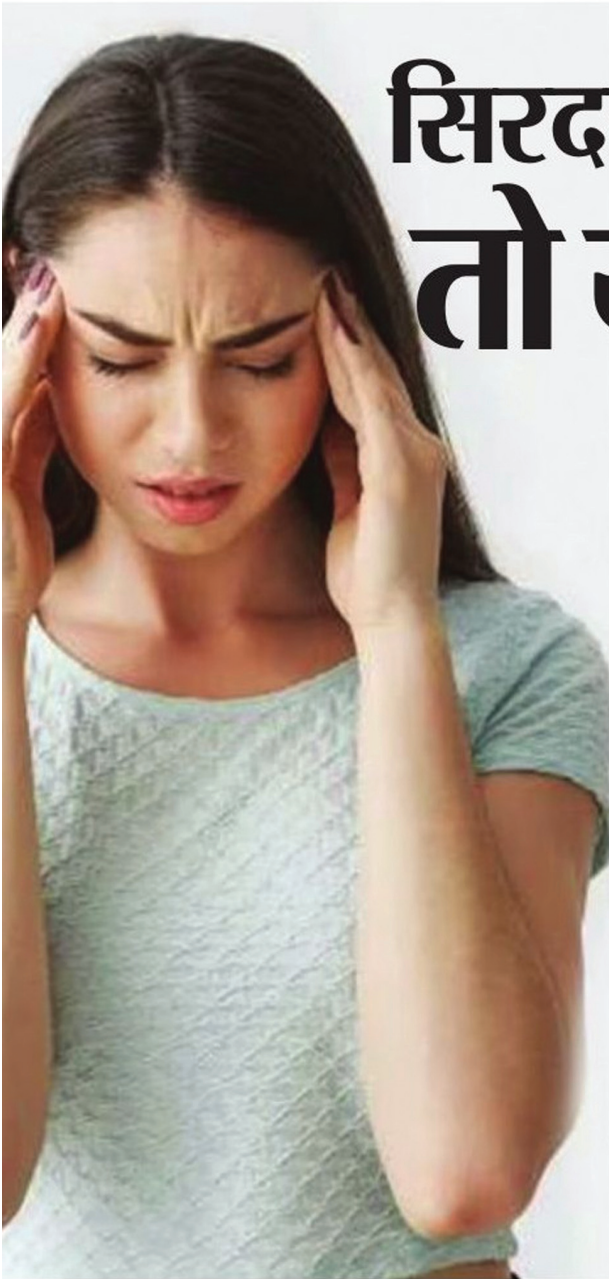
जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरोन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंप्यूजन, सिरदर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मॉकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है।

ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है।

ऐसे में लग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।



सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है।

सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास खयाल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।



ज्वाइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्लूइड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वाइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वाइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिश्रण के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिश्रण की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सीट- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें। फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं। इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है। बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वाइंट्स के इन्फ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वाइंट के दर्द में राहत देता है। भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है। सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजेक्शन बूट होता है और ज्वाइंट में लचीलापन आता है। अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है। दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इन्फ्लेमेशन से राहत मिलती है। मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है। सीट में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐनन को कम करती है।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मेरो में फैट सेल्स की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मेरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटेड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।



इस ट्रेन में एक टिकट से कर सकते हैं तीन देशों की यात्रा यह है दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन

मॉस्को। एक ऐसी ट्रेन जो सिर्फ एक टिकट में तीन देशों का सफर करा देती है, और दूरी भी ऐसी कि दुनिया की सबसे लंबी मानी जाती है। इस ट्रेप में रोमांच, नजारे और अनुभव सब कुछ मिलेगा। दुनिया की सबसे लंबी रेल यात्रा है, जो रूस के मॉस्को से नॉर्थ कोरिया के प्योंगयांग तक जाती है। ये 10,214 किमी का सफर 7 दिन 20 घंटे 25 मिनट में पूरा करती है। इस दौरान ये 142 स्टेशन और 87 शहरों से गुजरती है। तीन देशों रूस, मंगोलिया और नॉर्थ कोरिया को जोड़ने वाली ये ट्रेन अनाखी है।



ट्रेन का सफर कितना समय लेता है?

मॉस्को से प्योंगयांग तक का सफर 7 दिन 20 घंटे 25 मिनट का है। अगर आप बिना रुके सफर करते हैं, तो ये 206 घंटे से ज्यादा का समय लेता है। रास्ते में 142 स्टेशन और 87 शहरों से गुजरना पड़ता है। रुककर शहर घूमने पर ये सफर 14-20 दिन तक भी चल सकता है। रास्ते में कोन-कोन से नजारे दिखते हैं : इस सफर में उरल पर्वत, लेक बैकाल (दुनिया की सबसे गहरी झील), और साइबेरियन जंगल के शानदार नजारे दिखते हैं। 16 नदियां, जैसे ओब और येनिसी, रास्ते में पड़ती हैं। बर्फाली मैदान, पहाड़ और गांवों का बदलता नजारा सफर को यादगार बनाता है, हर स्टेशन पर नया दृश्य आपका इंतजार करता है।

इस ट्रेन की शुरुआत कब हुई?

इस ट्रेन की शुरुआत 1916 में हुई थी, जब रूस ने साइबेरिया के विकास के लिए रेल नेटवर्क बनाया। इसका मकसद साइबेरिया की आबादी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था। 19वीं सदी में हर्सर फ्लेवर्जेंडर III के समय इसका निर्माण शुरू हुआ। 25 साल की मेहनत के बाद ये दुनिया का सबसे लंबा रेल रूट बना।



इस ट्रेन का रूट कैसा है?

इसका मुख्य रूट मॉस्को से शुरू होकर यारोस्लाव, चेल्याबिंस्क, ओम्स्क, नोवोसिबिर्स्क, कास्नोयार्स्क, इरकुत्स्क, उलान-उदें, चिता, खाबरोव्स्क और व्लादिवोस्तोक तक जाता है। वहां से ये नॉर्थ कोरिया के प्योंगयांग तक पहुंचती है। रास्ते में ये 142 स्टेशनों पर रुकती है। खास बात ये है कि यात्रियों को ट्रेन या कोच बदलने की जरूरत नहीं पड़ती।

इस ट्रेन में क्या खास है?

ये ट्रेन तीन देशों रूस, मंगोलिया और नॉर्थ कोरिया—को एक टिकट से जोड़ती है। रास्ते में खूबसूरत नजारे जैसे लेक बैकाल, उरल पर्वत और साइबेरियन जंगल दिखते हैं। ट्रेन में फर्स्ट, सेकंड और थर्ड क्लास की सुविधाएं हैं। ये सांस्कृतिक और प्राकृतिक अनुभव का अनोखा मिश्रण देती है।

आखिर ट्रेन कितनी दूरी तय करती है?

ट्रांस-साइबेरियन ट्रेन 10,214 किमी की दूरी तय करती है, जो इसे दुनिया का सबसे लंबा रेल सफर बनाता है। ये मॉस्को से व्लादिवोस्तोक और फिर नॉर्थ कोरिया के प्योंगयांग तक जाती है। रास्ते में 16 बड़ी नदियां, पहाड़, जंगल और बर्फाली मैदान आते हैं। ये सफर 8 समय क्षेत्रों (टाइम जोन) को पार करता है।

रोचक खबरें



यूपी के बंदे की दुबई में खुली किस्मत जीत ली \$5 करोड़ की बंपर लॉटरी

नई दिल्ली। भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़ कर देता है। ये कहावत तो आपने बहुत सुनी होगी। अब ये कहावत दुबई में रह रहे एक भारतीय शख्स पर बिल्कुल सटीक बैठती है। दरअसल, दुबई में रहने वाले एक भारतीय शख्स ने 3 सितंबर को आयोजित अबु धाबी बिग टिकट सीरीज 278 ड्रा में 15 मिलियन संयुक्त अरब अमीरात दिरहम यानी लगभग 35 करोड़ रुपए की लॉटरी जीती है। इस लकी शख्स का नाम संदीप कुमार प्रसाद है, जो उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और पिछले तीन सालों से यूपई में रह रहे हैं और दुबई ड्राईडॉक्स में टेक्नीशियन के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप ने बीते 19 अगस्त को 20 लोगों के एक ग्रुप के साथ टिकट संख्या 200669 खरीदा था और इस टिकट ने उन्हें सीधे करोड़पति बना दिया। दिलचस्प बात ये है कि वह बहुत समय से लॉटरी के टिकट नहीं खरीद रहे थे, बल्कि उन्होंने सिर्फ तीन महीने पहले से ही टिकट खरीदना शुरू किया था और इन्हीं तीन महीने के अंदर उनके हाथ जैकपॉट लग गया। लॉटरी जीतने के बाद जब बिग टिकट वालों ने संदीप से संपर्क किया और उन्हें बताया कि वह 35 करोड़ की लॉटरी जीत गए हैं, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ, लेकिन जब उन्हें ये अहसास हो गया कि ये खबर सच है, तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा।

कोरियन युवक ने पहली बार खाया जिंदा ऑक्टोपस

नई दिल्ली। आपने जानवरों को तो जिंदा जीवों का शिकार कर खाने देखा ही होगा, पर क्या आप जानते हैं कि कई देशों के लोग भी कुछ जीवों को जिंदा ही खा जाते हैं? जो हां, ये बिल्कुल सच है। चीन, जापान और कोरिया जैसे देशों में लोग कई तरह के कीड़े-मकौड़े भी खा जाते हैं, जिन्हें देख कर ही घिन्न आ जाती है। फिलहाल एक कोरियन शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वो जिंदा ऑक्टोपस को खाता नजर आता है। दिलचस्प बात ये है कि वो पहली बार जिंदा ऑक्टोपस खाता है और फिर ऐसा रिक्वाशन देता है कि देखने वाले भड़क गए हैं। कोरियन बंदा हिंदी में बोलता है और प्लेट में दिखाता है कि जिंदा ऑक्टोपस कैसे नाच रहा है। फिर वह हैरान होते हुए कहता है, 'इसको कैसे खाएंगे?'. फिर वह अपने एक दोस्त से पूछता है कि इसे कैसे खाया जाता है, गले में तो नहीं फंसता, तो वो पूरी प्रक्रिया बताता है और खुद खा कर दिखाता है कि जिंदा ऑक्टोपस को कैसे खाया जाता है। उसके बाद कोरियन बंदा भी चॉपस्टिक से जिंदा ऑक्टोपस को उठाता है और झट से खा लेता है। खाने से पहले तो वह सोचता है कि पता नहीं उसका स्वाद कैसा होगा, क्योंकि वह पहली बार जिंदा ऑक्टोपस खाने जा रहा होता है। लेकिन, जब वह खा लेता है तो उसकी तारीफ करते हुए कहता है कि ये अच्छा है।



लाबूबू गुड़िया ने कर दिया चीन के इस व्यक्ति को मालामाल, करते हैं खिलौनों की मरम्मत

बीजिंग। इन दिनों सभी की जबान पर लाबूबू गुड़िया का ही नाम है, जो थोड़ा प्यारा और डरावना खिलौना है। भारत समेत कई देशों के लोग इसे शौक से खरीद रहे हैं। ये गुड़िया असल में विचित्र राक्षस होती है, जिन्हें एक दशक पहले हांगकांग के कलाकार कासिंग लुंग ने बनाया था। अब इस गुड़िया ने एक व्यक्ति को मालामाल कर दिया है। दरअसल, वह खिलौनों को मरम्मत करते हैं और लाबूबू गुड़िया भी उसमें शामिल है। इस व्यक्ति का नाम 'हार्ट मैन' है, जो कि शंघाई के रहने वाले हैं। वह पिछले एक महीने में 100 लाबूबू गुड़िया की मरम्मत कर चुके हैं। गुड़िया ठीक कराने वालों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि उन्हें अपनी पत्नी की भी मदद लेनी पड़ती है। साथ ही अब वह एक बड़ा स्टूडियो लेने की सोच रहे हैं, ताकि उनके लिए लाबूबू की मरम्मत करना आसान हो सके और वह एक साथ कई गुड़िया ठीक कर सकें। एक साधारण लाबूबू खिलौने की कीमत 99 युआन यानी 1,197 रुपये होती है। हार्ट मैन ने बताया कि मरम्मत का खर्च लाबूबू की कीमत का 10 प्रतिशत होता है। इस गुड़िया को महिजाएं अपने पर्स आदि पर लटकाकर बाहर ले जाना पसंद करती हैं। इस वजह से यह खिलौना गंदा हो जाता है या टूट जाता है। यही कारण है कि लोग उन्हें दोबारा नए जैसा करवाने के लिए इस व्यक्ति से संपर्क करते हैं। हार्ट मैन कहते हैं कि उन्हें लाबूबू की मरम्मत करके ऐसा महसूस होता है जैसे वह एक असली डॉक्टर हैं, जो बीमारी ठीक करते हैं और जीवन बचाते हैं।



दुनिया की वो इकलौती नदी, जिस पर आज तक नहीं बन सका एक भी पुल

दुनिया में हजारों नदियों पर बने हैं पुल, लेकिन एक नदी ऐसी भी है जिसपर आज तक कोई पुल नहीं बन पाया। वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे, जानिए इस नदी की अनोखी कहानी।

अमेजन नदी, दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में से एक, पर आज तक एक भी पुल नहीं बना। इसका सबसे बड़ा कारण है इसकी चौड़ाई और किनारों की नरम मिट्टी। नदी के आसपास की जगहें इतनी जटिल हैं कि पुल बनाना बहुत मुश्किल है। साथ ही, वहां पुल की जरूरत भी ज्यादा नहीं है।

नदी की मिट्टी क्यों बनती है रुकावट?

अमेजन नदी के किनारे की मिट्टी बहुत नरम और दलदली है। इस वजह से पुल की मजबूत नींव बनाना बेहद खर्चीला और मुश्किल है। इंजीनियरों को लंबे वायडवटर्स और गहरी नींव की जरूरत पड़ती है। ये तकनीकी चुनौतियां लागत को और बढ़ा देती हैं।

व्या नदी की चौड़ाई है सबसे बड़ी वजह?

अमेजन नदी की चौड़ाई सुखे मौसम में 2-6 मील होती है, लेकिन बारिश में ये 30 मील तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी चौड़ाई पर पुल बनाना इंजीनियरिंग की बहुत बड़ी चुनौती है। गोल्डन गेट ब्रिज से 17 गुना लंबा पुल चाहिए होगा। इस वजह से भी पुल बनाना मुश्किल है।

अमेजन नदी पर पुल क्यों नहीं है?



पर्यावरण का क्या है रोल?

अमेजन नदी का इलाका जैव-विविधता का खजाना है, जहां लाखों प्रजातियां रहती हैं। पुल बनाने से जंगल कट सकता है और पर्यावरण को नुकसान हो सकता है। पर्यावरणविदों का डर है कि इससे वनों की कटाई बढ़ेगी। इस डर से भी पुल बनाने से बचा जाता है। क्या मौसमी बदलाव भी हैं जिम्मेदार: अमेजन नदी में बारिश के मौसम में पानी का स्तर 30-50 फीट तक बढ़ जाता है। नदी की चौड़ाई और गहराई में भारी बदलाव आते हैं, जिससे नींव बनाना मुश्किल है। मटुपास जैसे तेरते कनस्पति द्वीप भी पुल के लिए खतरा हैं। ये मौसमी बदलाव इंजीनियरों के लिए सिरदर्द हैं।

व्या जनसंख्या की कमी है कारण?

अमेजन नदी ज्यादातर जंगल और कम आबादी वाले इलाकों से होकर गुजरती है। यहां सड़कें बहुत कम हैं, तो पुल बनाकर किसे जोड़ा जाए? लोग नाव और फेरी से आराम से नदी पार कर लेते हैं। इसलिए सरकारों को पुल बनाने की जरूरत नहीं लगती। पुल बनाने में भारी-भरकम खर्चा आता है, जो अरबों रुपये में हो सकता है। उदाहरण के लिए, रियो नीग्रो पर बना पुल 570 मिलियन डॉलर का था। इतना पैसा लगाने के लिए मजबूर आर्थिक जरूरत चाहिए, अमेजन के आसपास ऐसी जरूरत नहीं दिखती, इसलिए निवेश नहीं होता।

व्या नाव और फेरी काफी है?

अमेजन के किनारे बसे लोग नाव और फेरी से नदी पार करते हैं, ये तरीका आसान, सस्ता और पुराना है, जो उनकी जरूरतें पूरी करता है। शहरों में भी लोग इसकी आदत हैं, इसलिए पुल की मांग नहीं उठती। ये परंपरा पुल की जरूरत को कम करती है।



व्या रियो नीग्रो ब्रिज इसका अपवाद है?

रियो नीग्रो, जो अमेजन की सहायक नदी है, पर 2011 में एक पुल बनाया गया। ये 3.5 किलोमीटर लंबा पुल मानस और इरांडुबा को जोड़ता है लेकिन ये अमेजन नदी का मुख्य हिस्सा नहीं है। फिर भी, इसने दिखाया कि तकनीकी रूप से पुल बनाना मुमकिन है।
व्या भविष्य में बन सकता है पुल?
विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आर्थिक और सामाजिक जरूरत बढ़े, तो पुल बन सकता है लेकिन अभी लागत, पर्यावरण और कम जनसंख्या जैसे कारण इसे रोक रहे हैं। फिलहाल, अमेजन नदी बिना पुल के ही अपनी विशालता और रहस्य बरकरार रखे हुए है।

चीन में चल रहा अजीबोगरीब ट्रेंड? बच्चों के साथ बड़े भी इस्तेमाल करने लगे हैं चूसनी

बीजिंग। शिशुओं और छोटे बच्चों के मुंह में आपने चूसनी जरूर देखी होगी। इसे पैसिफायर भी कहते हैं, जिसकी मदद से बच्चों को शांत करने और उन्हें सुलाने में मदद मिलती है। ज्यादातर बच्चे 2 से 4 साल की उम्र तक ही चूसनी इस्तेमाल करते हैं, जिसके बाद उनकी यह आदत छूट जाती है। हालांकि, क्या आपने कभी किसी वयस्क को चूसनी का उपयोग करते हुए देखा है? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन ऐसा चीन में हो रहा है।



वयस्कों को क्यों करना पड़ रहा है चूसनी का इस्तेमाल?

आपको जानकर शर्माएंगे नहीं होगा कि चीन के वयस्क छोटे बच्चों की तरह चूसनी को पसंद करने लगे हैं। लोगों का दावा है कि इस उत्पाद को इस्तेमाल करने से उनकी चिंता दूर हो जाती है और अच्छी नींद आती है। यह उत्पाद चीन में इतना लोकप्रिय हो चुका है कि इसकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। ऑनलाइन विक्रेताओं ने बताया कि वे एक महीने में लगभग 2,000 वयस्कों वाली चूसनी बेच लेते हैं।

बड़े आकार में बनाई जाती है वयस्कों वाली चूसनी

वयस्कों वाली चूसनी बच्चों की तुलना में बड़ी होती है। इसकी कीमत 121 से 6,070 रुपये के बीच होती है। चूसनी का निपट वाला हिस्सा पारदर्शी होता है और बाहरी भाग अलग-अलग रंगों में उपलब्ध रहता है। इसे यह बतकर बेचा जाता है कि यह उत्पाद न केवल चिंता कम करता है, बल्कि धूम्रपान छोड़ने में भी सहायता करता है। इतना ही नहीं, दावा किया जाता है कि इससे ठीक तरह सांस लेने में भी मदद मिलती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ वयस्कों को चूसनी इस्तेमाल करने के नकारात्मक प्रभावों के बारे में सचेत कर रहे हैं। लंबे समय तक चूसनी उपयोग करने से व्यक्ति की मुंह खोलने की क्षमता सीमित हो सकती है और खाने पर दर्द महसूस हो सकता है।



लोगों ने बताया चूसनी के इस्तेमाल का कारण

वैसे तो लोगों की इस विचित्र आदत को सुनकर सोशल मीडिया पर लोग उनका मजाक बना रहे हैं। हालांकि, कई लोग वयस्कों वाली चूसनी चूसने के व्यक्तिगत अनुभव और लाभ बताने के लिए भी आगे आए। एक व्यक्ति ने कहा, यह मुलायम है और मुझे इसे चूसने में आराम मिलता है। इससे सांस लेने में कोई रुकावट नहीं आती। वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने बताया, जब काम का दबाव मुझे परेशान करता है तो मैं चूसनी चूसता हूं।

दक्षिण कोरिया का यह कॉलेज दे रहा बेहतरीन स्कॉलरशिप, लेकिन पहले चढ़ने होंगे पहाड़



सियोला। स्कॉलरशिप छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता होती है। आमतौर पर यह सहायता योग्यता, एथलेटिक कौशल या वित्तीय आवश्यकता जैसे मानदंडों के आधार पर प्रदान की जाती है। हालांकि, दक्षिण कोरिया के एक कॉलेज में स्कॉलरशिप हासिल करने के लिए इतनी मुश्किल शर्त रखी गई है, जिसके बारे में सोचकर ही पसीने छूटते हैं। दरअसल, यहां छात्रों को 6 विशाल पहाड़ चढ़ने की चुनौती पूरी करने के बाद ही स्कॉलरशिप मिलती है। यह मामला दक्षिण कोरिया के सियोला राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का है। यहां 'मिसन माउंटैन हाइकिंग स्कॉलरशिप' चलाई जा रही है, जिसके तहत छात्रों को 47,000 रुपये से ज्यादा की वित्तीय सहायता प्रदान कराई जा रही है। इस योजना को 8 जुलाई से शुरू किया गया था और 18 जुलाई तक आवेदन स्वीकार किए गए थे। इस विचित्र और कठिन स्कॉलरशिप कार्यक्रम के लिए कुल 1,400 छात्रों ने आवेदन दिए थे। शर्त है कि 47,000 रुपये पाने के लिए छात्रों को 6 पहाड़ चढ़ने होंगे। इसके लिए उन्हें इस साल के अंत तक का समय दिया गया है। जो छात्र साल खत्म होने तक केवल 3 पहाड़ चढ़ पाएंगे, उन्हें करीब 19,000 रुपये ही दिए जाएंगे। छात्रों को स्कॉलरशिप केवल उन पहाड़ों की चढ़ाई करने पर मिलेगी, जो ब्लैक याक के 100 प्रसिद्ध पर्वतों की सूची में शामिल हैं। इसमें केबल कार या गांडोला सुविधा देने वाले पहाड़ शामिल नहीं होंगे।

धरती में 1 लाख साल से दबी थी ये खतरनाक कब्र खुदाई में निकली ऐसी चीज कि कांप उठे वैज्ञानिक!

नई दिल्ली। खुदाई के दौरान मिला 1 लाख साल पुराना कंकाल, वैज्ञानिकों ने बताया इतिहास की सबसे पुरानी कब्र। इस रहस्यमयी खोज ने देश को जहां हैरानी में डाल दिया है वहीं कई सवाल सभ्यता की शुरुआत पर भी उठे हैं। टिशोमेट गुफा की खोज ने इजरायल और दुनिया भर के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया। यह खोज पुरातत्व और मानवविज्ञान के क्षेत्र में नई जानकारीयें देगी। टिशोमेट गुफा की खोज से प्राचीन इंसानों के जीवन, उनकी परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था के बारे में और जानकारीयें सामने आएंगी। यह मानव इतिहास के पन्नों को और समृद्ध करेगी।

टिशोमेट गुफा क्यों क्या मिला?

उत्तरी इजरायल की टिशोमेट गुफा में पुरातत्वविदों ने 1 लाख साल पुराने 5 इंसानी कंकालों के अवशेष खोजे। इनमें 2 पूर्ण कंकाल, 3 खोपड़ियां, कुछ हड्डियां और दांत शामिल हैं। यह खोज मध्य पाषाण युग (2,50,000 से 30,000 साल पहले) से जुड़ी है। गुफा में मिले अवशेषों ने इंसानों के दफनाने की प्राचीन परंपराओं को समझने में मदद की।



कब्रगाह की खोज क्यों खास है?

टिशोमेट गुफा में मिले कंकाल गड्ढों में बड़े ध्यान से रखे गए थे। जेम्सलम की हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर योसी जेडनर के मुताबिक, ये कंकाल किसी खास रस के तहत दफनाए गए। यह खोज इसलिए खास है, क्योंकि यह इंसानों के शुरुआती दफन रीति-रिवाजों को दर्शाती है। यह इतिहास की सबसे पुरानी कब्रगाहों में से एक हो सकती है। कंकालों के साथ क्या-क्या मिला?

गुफा में अनुष्ठान कैसे होते थे?

गुफा में मिले गैर, पत्थर और जानवरों की हड्डियां बताती हैं कि यहां खास अनुष्ठान होते थे। कंकालों को गड्ढों में सावधानी से रखा गया था, जो मृतकों के लिए सम्मान का प्रतीक था। ये चीजें सैकड़ों किलोमीटर दूर से लाई गई थीं, जो उस समय के लोगों की मेहनत और विश्वास को दर्शाती हैं।

इस खोज ने इजरायल को क्यों चौंकाया?

टिशोमेट गुफा की खोज ने इजरायल और दुनिया भर के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया। यह खोज इतिहास की सबसे पुरानी कब्रगाहों में से एक है। इससे प्राचीन इंसानों के दफन रीवाज और उनकी सांस्कृतिक परंपराओं का पता चलता है। यह खोज मानव इतिहास की समझ को और गहरा करती है।